हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार, 14 जनवरी 2024

11 फन फेस्ट में दिखा सम्मान व स्वास्थ्य और मनोरंजन का शानदार संगम

12 सरकार खेलों और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने को निरंतर प्रयासरत

खबर संक्षेप

हरियाणा सीईटी ग्रुप डी स्कोर कार्ड जारी

नारनौल। सरकार ने सीईटी ग्रुप-डी परीक्षा का स्कोर कार्ड युवा दिवस पर जारी कर दिया है। सीईटी ग्रुप डी परीक्षा का आयोजन 21 व 22 अक्टूबर को किया गया था। सीईटी परीक्षा के लिए हरियाणा में लगभग 13 लाख अभ्यार्थियों ने पंजीकरण किया था व साढ़े आठ लाख अभ्यार्थी ही उपस्थित हुए। दो महीने के लंबे इंतजार के बाद 12 जनवरी देर रात को स्कोर कार्ड जारी किया है। परिणाम में 4.10 लाख अभ्यर्थियों को क्वालिफाई किया गया है।

बीएससी पास युवती घर से अचानक लापता

कनीना। सदर थाना के गांव से बीएससी पास युवती घर से लापता हो गई है। छात्रा के पिता ने पुलिस को बताया कि 11 जनवरी को सुबह आठ बजे उसकी पुत्री घर पर नहीं मिली। अपने स्तर पर काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

152डी के पास दो युवकों से स्मैक बरामद

कनीना। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर दो युवकों से 3.75 ग्राम स्मैक गिरफ्तातर किया है। आरोपियों की पहचान आनंद उर्फ मोनू उर्फ मान तथा शोकिन उर्फ लंबू वासी खेड़ी तलवाना थाना कनीना के रूप में हुई है। एसएचओ रामनाथ ने 152 डी बूचावास के संदिग्ध कार में सवार से तलाशी के दौरान स्मैक मिली।

सड़क पर कैंटर खड़ा कर लगाया जाम, केस

कनीना। दौंगड़ा चौक पर एक चालक ने बीच सड़क पर कैंटर खड़ा कर जाम लगा दिया। कैंटर खड़ा करने से सड़क पर जाम लगने के बाद पुलिस ने कैंटर चालक मोहल्ला सराय निवासी जोगेंद्र के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। एसएचओ रामनाथ ने इसकी पुष्टि की।

10 केन्द्रों पर होगी नवोदय की प्रवेश परीक्षा

कनीना। जवाहर नवोदय विद्यालय करीरा की सत्र 2024-25 में कक्षा छह में प्रवेश की परीक्षा 20 जनवरी को होगी। जिले के पांच खंडों में विभिन्न 10 परीक्षा केंद्रों पर प्रातः 11.30 से दोपहर 1.30 तक होगी। प्राचार्य राजीव कुमार सक्सेना ने बताया कि 2956 विद्यार्थियों ने प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण करवाया है।

कल नारनौल में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष उदयभान

नारनौल। प्रदेश के पूर्व सीएम एवं कांग्रेसी नेता प्रतिपक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा व प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान ने नव वर्ष पर घर घर कांग्रेस-हर घर कांग्रेस अभियान का ऐलान किया था। उसी के तहत हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौ उदयभान 15 जनवरी को नारनौल पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में प्रातः 11 बजे घर-घर कांग्रेस अभियान की शुरुआत करेंगे।

दो साल में 107 हादसों में 40 की मौत, पाबंदी के बावजूद शहर में दौड़ रहे भारी वाहन

डीसी ने 10 दिन पहले दिए थे भारी वाहनों की नो एंट्री के आदेश, शहरा के चारो ओर है बाइपास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर में एंट्री करने के चारों ओर बाइपास नुमा सड़क मार्ग बन गया है। रेवाड़ी साइड से नेशनल हाइवे 11 है, जो शहर को पार करते हुए सिंघाना राजस्थान की ओर जाता है। नांगल चौधरी साइड नेशनल हाइवे 148बी है। महेंद्रगढ़ मार्ग स्टेट हाइवे है। यह स्टेट हाइवे मांग नांगल चौधरी साइड ढाणी बाठोठा से शुरू हो जाता है। नांगल चौधरी सड़क मार्ग को सिंघाना रोड व महेंद्रगढ़ रोड से जोड़ने के लिए पहले ही बाइपास था, उसे डबल लाइन में फिलहाल करने का कार्य प्रगति पर है। रेवाड़ी रोड साइड नेशनल हाइवे-152डी भी शुरू हो जाता है।

रेवाड़ी रोड पर गांव सुराना के पास से राइट साइड से 152डी को नीचे से क्रॉस करते हुए महेंद्रगढ़ मार्ग पर लहरोदा और आगे चलकर सिंघाना रोड तक बाइपास तैयार किया जा चुका है। इस तरह शहर के चारों ओर बाइपास सड़क का जाल बिछ चुका है। ऐसे में जिला प्रशासन ने 18 दिसंबर 2023 को आदेश जारी किया था कि नारनौल शहर के अंदर भारी वाहनों का 24 घंटे आवागमन बंद रहेगा। इस आदेश को अभी एक माह भी पूरा नहीं हुआ है। शहरी क्षेत्र में रात को भारी वाहन दौड़ते नजर आ रहे है। आपको यह भी बताते चले कि पहले दिन के समय शहर में भारी वाहनों की नो-एंट्री थी। उपायुक्त के आदेश के बाद रात को भी भारी वाहनों पर नो-एंट्री कर दी गई है।

एसपी ने खुद की थी यह डिमांड

एसपी ने उपायुक्त को नौ दिसंबर 2023 को पत्र क्रमांक 37749 भेजा। इसमें कहा गया कि वर्ष 2022

में शहर नारनौल क्षेत्र में कुल 62 सड़क दुर्घटनाएं हुई। जिसमें 21 व्यक्तियों की मृत्य हुई और 57 व्यक्ति घायल हुए। इसी तरह वर्ष 2023 में अब तक नारनौल में 45 सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी है, जिनमें 19 की मौत और 45 लोग घायल हुए। सड़क दुर्घटनाओं के कारण जान-माल भारी क्षति हुई है। अब शहर नारनौल की तरफ बाईपास मार्ग का निर्माण हो चुका है। जिससे भारी वाहनों को शहर के अंदर आने की आवश्यकता नहीं है। भारी वाहन चालक अपने वाहन को बाईपास मार्ग से अपने गन्तव्य तक ले जा सकते है। इसके अतिरिक्त आवश्यक वस्तु ढोने वाले भारी वाहनों को शहर में प्रवेश की मंजूरी दी जाएगी। एसपी ने डीसी को भेजे पत्र में खुद डिमांड करते हुए कहा है कि शहर में आने वाले भारी वाहनों के प्रवेश पर 24 घंटे पाबंदी लगाई जाए ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकें।

एसपी ने की डिमांड, डीसी ने दिए निर्देश

जिलाधीश मोनिका गुप्ता ने 18 दिसंबर 2023 को एक आदेश पारित कर लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तत्काल प्रभाव से नारनौल शहर में सड़कों पर भारी वाहनों के संचालन पर प्रतिबंध लगाने के लिए धारा 144 लागू की। यह आदेश आवश्यक सामान ले जाने वाले भारी वाहनों पर लागू नहीं होगा। जिलाधीश ने आदेशों में स्पष्ट किया था कि नारनौल शहर की व्यस्त सड़कों पर रात्रि के समय भारी वाहनों की तेज गति एवं लापरवाही से वाहन चलाने के कारण दुर्घटनाओं की शिकायतें प्राप्त हो रही है। इन भारी वाहनों को शहर में प्रवेश करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि शहर के चारों ओर बाईपास सड़कों की सुविधा उपलब्ध है। इसका उपयोग भारी वाहनों को चलाने के लिए किया जा सकता है। यह आदेश पुलिस अधीक्षक, उपमंडल मजिस्ट्रेट नारनौल एवं सचिव आरटीए इन आदेशों की पालन करवाएंगे। आदेशों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 188 और कानून के अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार सख्ती से निपटा जाएगा।

नारनौल सर्कल में डिफाल्टर उपभोक्ताओं पर चला बिजली निगम का चाबुक

80 करोड़ बकाया, 27 हजार डिफाल्टरों के काटे कनेक्शन

उपभोक्ताओं को जागरूक करने के साथ बकाया अदा नहीं करने पर दी जा रही कनेक्शन काटने की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

बिजली निगम ने समूचे नारनौल सर्कल में डिफाल्टर उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन काट दिए हैं। इनकी तरफ करोड़ों रुपये बकाया चल रहे थे, जो बार-बार नोटिस देने के बावजूद निगम को अदा नहीं कर रहे थे। ऐसी सूरत में निगम ने इनका बिजली कनेक्शन काटना बेहतर माना और बकाया अदा नहीं करने की सूरत में यह सख्ती भरा कदम उठाया गया है। नारनौल सर्कल के 27,642 उपभोक्ताओं पर 80 करोड़ 46 लाख 45 हजार का बकाया है, जिनके बिजली कनेक्शन काटे गए हैं।

दक्षिण हरियाणा बिजली निगम (डीएचबीवीएनएल) का शहरी नारनौल डिविजन में 1218 शहरी उपभोक्ताओं पर नौ करोड़ 55 लाख 51 हजार रुपये का बिल बकाया चल रहा है। इसी प्रकार 634 शहरी दुकानदारों पर तीन करोड़ 26 लाख 60 हजार व 46 उद्योग संचालकों पर एक करोड़ 38 लाख 38 हजार, सब शहरी नारनौल डिवीजन में 42 उपभोक्ताओं पर 24 लाख 38 हजार, 172 दुकानदारों पर 38 लाख 82 हजार तथा 2120 ग्रामीण उपभोक्ताओं पर आठ करोड़ 44 लाख 19 हजार रुपये बकाया चल रहे हैं। कमाल की बात है कि उद्योग-धंधे वाले तथा किसान भी इसमें पीछे नहीं हैं। जिले के 167 उद्योग संचालकों पर 93 लाख दस हजार रुपये बकाया चल रहा है। इसी प्रकार 1527 कृषि विभाग के उपभोक्ताओं पर एक करोड़ 86 लाख 17 हजार रुपये बकाया चल रहा है, जबकि सबसे सस्ती बिजली किसानों को ही देती है। प्रदेश सरकार किसानों को कई दशकों से मात्र दस पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली दे रही है।

अटेली की स्थिति

अटेली क्षेत्र के 102 शहरी उपभोक्ताओं पर 15 लाख पांच हजार, 304 दुकानदारों पर 64 लाख 22 हजार, 382 ग्रामीण उपभोक्ताओं पर 28 लाख 54

हजार, 29 उद्योग संचालकों पर 41 लाख 33 हजार व 72 कृषि उपभोक्ताओं पर तीन लाख 53 हजार बकाया हैं। इसी प्रकार नांगल चौधरी के 287 शहरी उपभोक्ताओं पर 54 लाख 69 हजार, 418 दुकानदारों पर एक करोड़ 87 लाख 14 हजार, 5582 ग्रामीण उपभोक्ताओं पर 13 करोड़ 32 लाख 22 हजार, 151 उद्योग संचालकों पर दो करोड़ 15 लाख 82 हजार व कृषि के 362 उपभोक्ताओं पर 63 लाख 48 हजार, सिहमा में 91 दुकानदारों पर 46 लाख 78 हजार, 639 ग्रामीणों पर एक करोड़ 77 लाख 75 हजार, 25 उद्योगों पर 56 लाख 63 हजार व 161 किसानों पर 13 लाख 98 हजार रुपये बकाया हैं। समूचे नारनौल डिविजन यानि ग्रामीण एवं शहर क्षेत्र में कुल मिलाकर 14474 उपभोक्ताओं पर कुल 43 करोड़ 58 लाख 36 हजार रुपये बकाया हैं।

यह कहते हैं अधिकारी

बिजली निगम ने डिफाल्टर उपभोक्ताओं को कई बार नोटिस भी दिए, लेकिन उन्होंने बकाया बिलों का भुगतान करना उचित नहीं समझा। ऐसी सूरत में उन्हें कई बार अवगत कराया गया, लेकिन अंतत: जब बकाया की वसूली नहीं हुई तो ऐसी सूरत में कनेक्शन काटना पड़ा है। जो उपभोक्ता निगम का पैसा जमा करवा देंगे, उनका कनेक्शन रिस्टोर कर दिया जाएगा।

-रंजन यादव, एसई, बिजली निगम, नारनौल।

महेंद्रगढ़ की स्थिति

शहरी महेंद्रगढ़ डिविजन के 2196 शहरी उपभोक्ताओं पर एक करोड़ 97 लाख नौ हजार, 2123 दुकानदारों पर चार करोड़ 92 लाख, 2359 ग्रामीणों पर चार करोड़ पांच लाख 66 हजार, 103 उद्योगों पर एक करोड़ चार लाख 72 हजार व 138 कृषि विभागों पर 57 लाख 73 हजार, सब शहरी महेंद्रगढ़ डिवीजन के 183 दुकानदारों पर 49 लाख 54 हजार, 987 ग्रामीणों पर दो करोड़ छह लाख 25 हजार, 40 उद्योगों पर 25 लाख दो हजार व 380 कृषि उपभोक्ताओं पर 73 लाख 99 हजार, सतनाली में 257 दुकानदारों पर 81 लाख 81 हजार, 791 ग्रामीणों पर पांच करोड़ 71 लाख 57 हजार, 56 उद्योगों पर 30 लाख 14 हजार व 41 कृषि उपभोक्ताओं पर 31 लाख 16 हजार, कनीना में 233 शहरी पर 81 लाख 29 हजार, 496 दुकानदारों पर दो करोड़ 79 लाख 38 हजार, 732 ग्रामीणों पर दो करोड़ 87 लाख एक हजार, 128 उद्योगों पर 49 लाख व 275 कृषि उपभोक्ताओं पर 87 लाख 15 हजार और बूचावास में 95 दुकानदारों पर 36 लाख 16 हजार, 1452 ग्रामीणों पर तीन करोड़ 84 लाख 67 हजार, 39 उद्योगों पर एक करोड़ चार लाख 71 हजार व 64 कृषि उपभोक्ताओं पर 51 लाख 94 हजार रुपयों का बिल बकाया है। इस प्रकार महेंद्रगढ़ डिविजन में 13168 उपभोक्ताओं पर कुल 36 करोड़ 88 लाख नौ हजार का बकाया चल रहा है। ऐसे में पूरे सर्कल के 27642 उपभोक्ताओं पर 80 करोड़ 46 लाख 45 हजार का बकाया है।

महेंद्रगढ़। हाइवे 152डी पर हादसे में दुर्घटना ग्रस्त कार।

डिवाइडर से टकराई श्रद्धालुओं की कार, एक की मौत व चार घायल

- रोहतक से कार में सवार होकर बाला धाम सालासर जा रहे थे पांच युवक, बुचावास टोल के पास ट्रक और डिवाइडर के बीच फंसी कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हाइवे 152-डी पर बुचावास टोल से नारनौल की तरफ लगभग तीन किलोमीटर आगे एक बलेनो गाड़ी डिवाइडर से टकरा गई। इस भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई और चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। रोहतक से सालासर जा रहे श्रद्धालुओं की गाड़ी कोहरे के कारण डिवाडर से टकरा गई। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस व एंबुलैंस को दी। मौके पर पहुंची व घायलों को नागरिक अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने एक को मृत घोषित कर दिया, बाकि घायलों की गंभीर स्थिति होने के चलते हायर सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार श्रद्धालुओं की बलेनो गाड़ी बुचावास टोल से नारनौल की ओर करीब दो किलोमीटर दूर पहुंची तो घने कहरे के चलते गाड़ी डिवाइडर से टकरा ट्रक व डिवाइडर को बीच फंस गई।

गाड़ी में पांच युवक सवार थे। हादसे की सूचना पुलिस को दी गई और गंभीर रूप से घायलों को नागरिक अस्पताल लाया गया, जहां पर चिकित्सकों ने 26 वर्षीय विवेक नेहरा निवासी सुंदरपुर रोहतक को मृत घोषित कर दिया। जबकि 21 वर्षीय उमेश, 19 वर्षीय सौरव, 21 वर्षीय प्रदीप और साहिल निवासी रोहतक को गंभीर हालत में पीजीआई रोहतक के लिए रेफर कर दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

लोहड़ी पर्व पर काटा 100 फीट का केक

नारनौल। डीसी आवास के पीछे शनिवार लोहड़ी पर्व पर 100 फीट का केक काटा। शुभारंभ भाजपा जिला अध्यक्ष दयाराम यादव ने किया। इउन्होंने कहा कि हर त्योहार को मिलकर मनाना चाहिए। इससे आपसी भाईचारा बढ़ता है।

सीएम फ्लाइंग ने की ओवरलोड डंपरों पर छापेमारी, 2.33 लाख रुपये ठोंका जुर्माना

नारनौल। मुख्यमंत्री उड़नदस्ता, आरटीए विभाग एवं माइनिंग विभाग की संयुक्त टीमों ने ओवरलोड वाहनों पर शिकंजा कसा है। इसी के चलते उन्होंने बीती शाम को कुलताजपुर रोड पर ओवरलोड वाहनों का निरीक्षण किया, जहां तीन ओवरलोड डंपर पकड़े गए। जिन पर आरटीए विभाग द्वारा दो लाख 33 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। इनके पर ई-रवाना भी नहीं मिला, जिस पर माइनिंग विभाग द्वारा सीजर मेमो भरा गया। इसके आधार पर माइनिंग विभाग भी ओवरलोड डंपरों पर जुर्माना लगाएगा। छापामार टीम में इंस्पेक्टर लीलाराम, सब इंस्पेक्टर अनिल, एएसआई संदीप, एएसआई सचिन एवं एचसी अजय तथा माइनिंग विभाग से निरीक्षक तन्नू जोशी एवं आरटीए से अनिल कुमार टीम में शामिल रहे।

अब दो दिन और बढ़ी पटवारियों की हड़ताल

कनीना। वेतन विसंगति में सुधार की मांग को लेकर पटवारी-कानूनगो एसोसिएशन की ओर से बीती तीन जनवरी से शुरू की गई हड़ताल को लेकर सरकार से बातचीत का न्यौता अभी तक नहीं मिला है। इस वजह से दो दिन 15 व 16 जनवरी तक हड़ताल को ओर बढ़ा दिया गया है। ऐसे में फसली गिरदावरी का कार्य अटक गया है। इधर, पटवारियों की हड़ताल पर राजस्व विभाग के वित्तायुक्त एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने जिला उपायुक्त मोनिका गुप्ता से वीसी के जरिए रिपोर्ट ली है। उम्मीद है कि सरकार कौर कमेटी से मंत्रणा कर जल्द ही कर्मचारियों की लंबित मागें पूरा करेगी। पटवारियों की हड़ताल के चलते आय प्रमाण पत्र, जाति तथा मूल निवास प्रमाण पत्र सहित अन्य कार्य करवाने के लिए आमजन उनके कार्यालयों के चक्कर लगाने पर मजबूर हैं। हड़ताल के चलते कनीना में पटवारियों के कार्यालय सुने पड़े रहे। पटवार कानूनगो एसोसिएशन के प्रधान शमशेर सिंह पटवारी ने कहा कि हड़ताल के चलते आगामी 16 जनवरी तक पटवारखाना में भूमि रिकॉर्ड से जुड़े काम नहीं हो सकेंगें। मागों को लेकर उनकी ओर से विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। प्रदेश में 32100 रुपये पे-ग्रेड लागू करने की मांग को लेकर पटवारी-कानूनगो एसोसिएशन की ओर से तीन जनवरी से हड़ताल की चेतावनी दी गई थी।

- 15 और 16 जनवरी को भी रहेंगी हड़ताल

ग्रामीणों का धरना 307वें दिन भी जारी

कनीना। राष्ट्रीय राजमार्ग 152डी पर सेहलंग-बाघोत के बीच वाहनों के प्रवेश मार्ग बनाने की मांग को लेकर ग्रामीणों का अनिश्चितकालीन धरना शनिवार को 307वें दिन में प्रवेश कर गया। अध्यक्षता वेदप्रकाश सेहलंग ने की। पिछले 10 माह से अधिक का समय बीत गया है, सरकार की ओर से कट बनाने का आश्वासन मिला लेकिन कार्य शुरू नहीं किया गया। धरना संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय सिंह ने बताया कि जमाव बिंदु पारे की ठंड एवं धुंध-कोहरे के बीच ग्रामीण धरना देने पर मजबूर हैं। सरकार ग्रामीणों की मांग को अनदेखा कर रही है। जबकि केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की ओर से पचगांव में मंच के माध्यम से यहां पर कट देने की घोषणा की गई थी लेकिन अभी तक कार्य शुरू नहीं हो सका है। जब तक कट का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो जाता तब तक उनका धरना जारी रहेगा। सूबेदार सुखबीर सिंह, इस मौके पर रणधीर सिंह, नरेंद्र शास्त्री छितरोली, लक्ष्मण सिंह, हरिओम पोता, बेड़ा सिंह,धर्मपाल सिंह, विजयपाल मौजूद रहे।

कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय, रात्रि तापमान बढ़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

महेंद्रगढ़ में 2.7 और नारनौल में 3.0 डिग्री तापमान

महेंद्रगढ़ में नारनौल और महेंद्रगढ़ के रात्रि तापमान क्रमशः 3.0 डिग्री सेल्सियस और 2.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जो सामान्य तापमान से 2.0 डिग्री सेल्सियस से कम बने हुए हैं। जिला महेंद्रगढ़ में सुबह से आंशिक बादलबायी देखने को मिली, परंतु फिर चमकदार धूप खिली रहने की वजह से दिन के तापमान में हल्की बढ़त दर्ज हुई। आज जिला महेंद्रगढ़ में नारनौल और महेंद्रगढ़ का दिन का तापमान क्रमश 21.5 डिग्री सेल्सियस और 18.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जो सामान्य से 1.0 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज हुए है।

हरियाणा एनसीआर दिल्ली में लगातार हाड़ कंपा देने वाली ठंड अपने तीखे तेवरों से आगाज किए हुए है। उत्तरी बर्फिली हवाओं ने संपूर्ण इलाके पर कहर बरपाया हुआ है। उत्तरी जिलों में कोहरा छाया हुआ है। वहां पूरे-पूरे दिन सूर्यदेव के दर्शन नहीं हो रहे। वहां दिन का तापमान 18.0 से 10.0 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंचे हुए हैं, वहां कोल्ड डे और गंभीर कोल्ड डे की स्थिति बनी हुई है। साथ ही साथ जहां कोहरा छंट गया है। वहां सूर्यदेव सुबह से शाम तक सुनहली धूप खिली रहने से दिन के तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। साथ ही साथ रात्रि तापमान में गिरावट दर्ज हो रही है। संपूर्ण राज्य में रात्रि तापमान 5.0 डिग्री सेल्सियस से 1.0 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गए हैं। यहां पाला जम रहा है। साथ ही साथ शीतलहर से गंभीर शीतलहर अपने प्रचण्ड तेवरों से आगाज किए हुए हैं।

नोडल अधिकारी डॉ. चंद्रमोहन ने बताया कि हरियाणा एनसीआर दिल्ली में कुछ हिस्सों में दिन में आमजन को हाड़ कंपा देने वाली ठंड से रूबरू होना पड़ रहा है, वहीं कुछ हिस्सों में रातें जबरदस्त तरीके से आमजन को ठिठुरने को मजबूर किया हुआ है। वर्तमान परिदृश्य में एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर आंशिक बादलबायी देखने को मिल रही है, जिसकी वजह से संपूर्ण इलाके में रात्रि और दिन के तापमान में हल्का उतार चढ़ाव और मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। शनिवार हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर रात्रि तापमान 1.8 डिग्री सेल्सियस से 7.0 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया है, जबकि जिला महेंद्रगढ़ में भी रात्रि तापमान में हल्की उछाल देखने को मिली है। जबकि संपूर्ण जिला महेंद्रगढ़ पर गंभीर शीतलहर अपने प्रचण्ड तेवरों से आगाज किए हुए है। कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से संपूर्ण इलाके में रात्रि तापमान में हल्की बढ़त दर्ज हुई है। फिर भी संपूर्ण इलाके में हाड़ कंपा देने वाली ठंड अपने तीखे तेवरों से आगाज किए हुए है।

जिले में डायल 112 से जुड़ी 16 ईआरवी गाड़ी

12 दिन, बिना नंबर 82 के चालान, 30 इंपाउंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जिला महेंद्रगढ़ में डायल 112 की 16 ईआरवी गाड़ियां तैनात हैं, जिनपर तैनात पुलिस कर्मचारी 24 घंटे ड्यूटी पर तैनात रहते हैं। जिला महेंद्रगढ़ में ईआरवी पर तैनात पुलिस टीमें अच्छा कार्य कर रही हैं। किसी भी व्यक्ति के मुसीबत में होने या किसी भी प्रकार के अपराध बारे सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई करने और हरियाणा पुलिस के सेवा, सुरक्षा और सहयोग के स्लोगन को सार्थक करते हुए महेंद्रगढ़ पुलिस की डायल 112 की टीमें सराहनीय कार्य कर रही हैं। जनसेवा के अपने कर्तव्य को पूरी इमानदारी से निभाने के साथ साथ डायल 112 की टीमें

अपराध पर रोकथाम लगाने और अपराधियों को पकड़ने में भी एक्टिव रहती हैं। इसके साथ ही डायल 112 की टीमें बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों, यातायात नियमों की उल्लंघना करने वाहन चालकों के खिलाफ भी कार्रवाई कर रही है।

पुलिस अधीक्षक नितिश अग्रवाल ने अच्छा काम करने वाली डायल 112 की टीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। पुलिस अधीक्षक ने डायल 112 की टीम को बेहतरीन कार्य करने पर बधाई दी और भविष्य में भी अपने जनसेवा के कर्तव्य को पूरी ईमानदारी से निभाते हुए जिला पुलिस का नाम रोशन करने का आह्वान किया। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि पिछले 12 दिनों में डायल 112 की टीमों ने बिना नंबर प्लेट वाले, यातायात नियमों को उल्लंघना करने वाले वाहनों के चालान और इंपाउंड किया है। इसके अतिरिक्त मामले में वांछित बाईक बरामद की गई। दुर्घटना में घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

पुलिस अधीक्षक नितिश अग्रवाल ने सभी ईआरवी गाड़ियों के प्रभारियों को निर्देश हुए हैं कि वह अपने-अपने क्षेत्र में बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों की जांच करें और मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई करें। अन्य यातायात नियमों की उल्लंघना करने वाले वाहन चालकों पर भी कार्रवाई करें। इससे अपराध पर रोकथाम लगाने और अपराधियों को पकड़ने में मदद मिल सकती है। इन्हीं निर्देशों के तहत 82 वाहनों के चालान किए हैं और 30 वाहनों को इंपाउंड किया है।

एसपी ने डायल 112 पर तैनात सभी पुलिस कर्मचारियों को भविष्य में इससे ओर बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। जिस उद्देश्य से डायल 112 की शुरूआत की गई थी, महेंद्रगढ़ पुलिस उस उद्देश्य को सार्थक करने में जुटी है। कोई भी व्यक्ति किसी भी समय मुसीबत आने पर पुलिस सहायता के लिए डायल 112 पर काल करके पुलिस सहायता मांग सकता है। पुलिस टीम चंद ही मिनटों में उसके पास पहुंचकर उसकी समस्या का समाधान करेगी।

वर्किंग महिलाओं के लिए बेस्ट इन्वेस्टमेंट स्कीम

सुझाव | बिजनेस डेस्क

देश में लगातार कामकाजी महिलाओं का संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसे में महिलाओं को भी अपना पैसा बढ़ाने के लिए निवेश पर फोकस करना चाहिए, ताकि उन्हें अच्छा ब्याज मिल सके और वे भी पुरुषों की भांति अमीर हो सकें। अक्सर देखने में आता है कि ज्यादातर महिलाएं अपना पैसा घर पर ही बचाकर रखती हैं, जिसका कोई ब्याज नहीं मिलता है। अगर इन पैसों को किसी सही जगह इन्वेस्ट किया जाए तो न सिर्फ पैसा सुरक्षित रहेगा, बल्कि अच्छा मुनाफा भी कमा सकेंगी। आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने और वित्तीय सुरक्षा के लिए सिर्फ कमाना ही काफी नहीं है, बल्कि इन्वेस्टमेंट करना भी जरूरी है। अगर आप भी कामकाजी महिला हैं तो निवेश के बेस्ट विकल्पों से जुड़ी जरूरी बातें आपको पता होनी ही चाहिए।

गोल्ड में निवेश

कहते हैं कि महिलाओं को अपनी रसोई और सोना सबसे प्यारा होता है। पुराने समय से ही महिलाएं गोल्ड में निवेश करती आ रही हैं। सोने में निवेश के आप फिजिकल, डिजिटल गोल्ड, गोल्ड बॉन्ड और गोल्ड ईटीएफ जैसे कई विकल्प के जरिये इन्वेस्ट करके मुनाफा कमा सकते हैं। वर्तमान में डिजिटल गोल्ड जैसे विकल्पों ने गोल्ड इन्वेस्टमेंट को और अधिक सेफ और आसान बना दिया है। गोल्ड में इन्वेस्ट कर आप अच्छा मुनाफी कमा सकते हैं।

म्यूचुअल फंड

वैसे तो शेयर बाजार में निवेश करके अच्छा रिटर्न कमाया जा सकता है, लेकिन इसमें हाई रिस्क रहती है। यदि आप थोड़े कम जोखिम के साथ निवेश प्लान लेना चाहते हैं तो आपके लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी बेहतर विकल्प साबित होगा। अगर आप लंबे समय के लिए इन्वेस्ट करना चाहते हैं तो बता दें कि एसआईपी आपके लिए बेहतर ऑप्शन है, क्योंकि यह किफायती होने के साथ-साथ आसान भी है। इसमें हर महीने निवेश कर महिलाएं अच्छा मुनाफा कमा सकती हैं। यह निवेश का सबसे सुरक्षित और किफायती जरिया भी माना जाता है। आजकल देश में इसकी डिमांड भी बढ़ रही है।

डेट फंड

डेट फंड असल में म्यूचअल फंड ही होता है, जो बिना जोखिम उठाए एफडी से ज्यादा रिटर्न देते हैं। फिक्स्ड डिपॉजिट का समय पूरा होते ही डेट फंड आपको फिक्स्ड रेट पर अच्छा खासा रिटर्न देते हैं। मौजूदा वक्त में डेट फंड में 6% से 8% का ब्याज मिल रहा है। इसमें महिलाएं मिनिमम 500 रुपये से एसआईपी शुरू कर सकती हैं।

नेशनल पेंशन स्कीम

भारत सरकार की रिटायरमेंट स्कीम में निवेश करके वर्किंग वूमन बुढ़ापे के लिए पेंशन फंड इकट्ठा कर सकती हैं। सरकार ने पेंशन की कई योजनाएं चलाई है, जिसमें राष्ट्रीय पेंशन योजना भी शामिल है, जिसमें निवेश करके पैसा सुरक्षित रख सकते हैं। एनपीएस के जरिये कॉर्पोरेट बॉन्ड, इक्विटी, लिक्विड फंड शामिल हैं।

हेल्थ इंश्योरेंस

यह अक्सर कहा जाता है कि सबसे अच्छा निवेश जो हम कर सकते हैं वह हमारे स्वास्थ्य में है। यह आपके परिवार के साथ-साथ आपके स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण है। फाइनेंशियल प्रोटेक्शन हेल्थ इंश्योरेंस किसी भी गंभीर बीमारी में लगने वाले हाई कॉस्ट को कवर करके वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है। हेल्थ इंश्योरेंस की मदद से हम अचालक से आने वाले वित्तीय संकट से बच सकते हैं।

जरूरत पड़ने कर्ज लेने में कोई हर्ज नहीं होता, क्योंकि इसके बिना आपके कई बार काम रुक जाते हैं। लेकिन कर्ज कोई भी हो, उसकी ईएमआई को नियमित रूप से चुकाने पर हमेशा ध्यान देना चाहिए। कर्ज के भुगतान में लापरवाही बरतना लंबे अरसे में आपकी फाइनेंशियल हेल्थ के लिए बेहद नुकसानदेह हो सकता है और आप धीरें-धीरे कर्ज के मकड़जाल में फंस जाएंगे। इसलिए ध्यान रखें ज्यादा जरूरत पड़ने पर ही लोन लें और उसे समय से चुकाएं भी। एक लोन उतारने के लिए दूसरा लोन न लें, वरना बोझ बढ़ता जाएगा।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

समय पर चुकाएं लोन, वरना घेर लेगा कर्ज का 'मकड़जाल'

जरूरत पड़ने पर कर्ज लेने में कोई हर्ज नहीं है लेकिन ऐसा करते समय कुछ बातें पल्ले बांध लें ताकि आपको आगे चलकर पछताना न पड़े

अचानक कोई जरूरत पड़ जाए या घर, कार जैसी महंगी चीजें खरीदनी हों, तो लोन सभी लेते हैं। नई तकनीक के इस्तेमाल ने तो कर्ज लेना पहले से काफी आसान बना दिया है। लिहाजा, लोग भी आसान क्रेडिट की इस सुविधा का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर करने लगे हैं। जरूरत पड़ने कर्ज लेने में कोई हर्ज नहीं होता, क्योंकि इसके बिना आपके कई बार काम रुक जाते हैं, लेकिन कर्ज कोई भी हो, उसकी ईएमआई को नियमित रूप से चुकाने पर हमेशा ध्यान देना चाहिए। कर्ज के भुगतान में लापरवाही बरतना लंबे अरसे में आपकी फाइनेंशियल हेल्थ के लिए बेहद नुकसानदेह हो सकता है और आप धीरें-धीरे कर्ज के मकड़जाल में फंस जाएंगे। इसलिए ध्यान रखें ज्यादा जरूरत पड़ने पर ही लोन लें और उसे समय से चुकाएं भी। एक लोन उतारने के लिए दूसरा लोन न लें, वरना बोझ बढ़ता जाएगा और एक समय ऐसा आएगा कि आप उससे उभर नहीं पाएंगे। कर्ज लेते समय या उसे चुकाने के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है, ताकि आगे चलकर आपको कोई परेशानी न हो। हम यहां आपको ऐसी ही कुछ बातों के बारे में बताएंगे, जिन पर अमल करके आप अपने लोन लेने और चुकाने के अनुभव को किसी मुसीबत में तब्दील होने से बचा सकते हैं।

कर्ज उतना ही लें, जितना चुका सकें

आपको कर्ज हमेशा उतना ही लेना चाहिए, जितना आप आसानी से चुका सकते हों। लोन भले ही कितनी भी आसानी से मिल रहा हो, लेकिन आखिर वो है तो कर्ज ही, जिसे आपको देर-सबेर चुकाना ही होता है। इसलिए अपनी रीपेमेंट की क्षमता से ज्यादा कर्ज लेने से बचना चाहिए। अगर आपकी आमदनी का बड़ा हिस्सा कर्ज की किस्तें (ईएमआई) चुकाने में चला जाएगा, तो आपकी सारी फाइनेंशियल प्लानिंग बिगड़ने का खतरा है। आमतौर पर माना जाता है कि आपकी होमलोन की ईएमआई आपकी मंथली इनकम के 35-40 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। वहीं, कार लोन या पर्सनल लोन की ईएमआई का हिस्सा आपकी मासिक आय के 10 फीसदी से भी कम रहे तो ही बेहतर है।

कर्ज की अवधि कम से कम रखें

कर्ज लेने का फैसला करते समय अक्सर लोग ये देखते हैं कि उसकी ईएमआई कितनी बनेगी और ऐसा करना बिलकुल सही भी है, लेकिन गलती तब हो जाती है, जब क्षमता से ज्यादा लोन लेने के चक्कर में लोग कर्ज की अवधि बढ़ाकर ईएमआई कम करने की कोशिश करते हैं, लेकिन कर्ज की रकम और ब्याज दर अगर बराबर है तो ईएमआई कम रखने के लिए लोन की अवधि बढ़ाना हमेशा समझदारी भरा फैसला नहीं होता। ऐसा करते समय यह ध्यान में रखना चाहिए कि कर्ज चुकाने में आप जितना ज्यादा वक्त लगाएंगे, ब्याज का बोझ उतना ही बढ़ता जाएगा। होम लोन जैसे कर्ज के मामले में अगर आप शुरुआत में अपनी कम इनकम के कारण ज्यादा अवधि का चुनाव कर भी लेते हैं, तो भी आगे चलकर ईएमआई बढ़ाने की कोशिश करें, ताकि लोन को कम से कम समय में चुकाया जा सके। अगर आपके कई लोन चल रहे हैं, तो सबसे पहले उस लोन को निपटाने की कोशिश करें, जिसकी ब्याज दर सबसे ज्यादा है।

बेहतर ब्याज दर की तलाश जारी रखें

होम लोन जैसे लंबी अवधि के कर्ज लेकर भूल न जाएं। अगर आपको होम लोन पर काफी ऊंची ब्याज दर चुकानी पड़ रही है, तो उसे कम करवाने की कोशिश करें। खासतौर पर अगर आपके लोन लेने के बाद बाजार में ब्याज दरों में नरमी आई है, तो आपको उसका लाभ उठाने की कोशिश जरूर करनी चाहिए। इसके लिए सबसे पहले आपको अपने मौजूदा बैंक या एनबीएफसी से बात करके देखना चाहिए। अगर इससे बात न बने, तो दूसरे बैंकों से संपर्क करके लोन का बैलेंस ट्रांसफर करने पर विचार करना चाहिए। लंबी अवधि के लोन की ब्याज दर में आई थोड़ी भी कमी ब्याज के बोझ को काफी कम कर सकती है। कर्ज कोई भी हो, उसकी ईएमआई को नियमित रूप से चुकाने पर हमेशा ध्यान देना चाहिए। कर्ज के भुगतान में लापरवाही बरतना लंबे अरसे में आपकी फाइनेंशियल हेल्थ के लिए बेहद नुकसानदेह हो सकता है, क्योंकि ऐसा करने पर आपको जुर्माने के तौर पर एक्स्ट्रा पेमेंट करना पड़ सकता है या ज्यादा ब्याज देना पड़ सकता है। इससे आपका क्रेडिट प्रोफाइल और सिबिल स्कोर भी बिगड़ जाता है, जिसके कारण आपको आगे चलकर और भी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

शौक, फिजूलखर्ची के लिए कर्ज लेने से बचें

एक बात हमेशा याद रखें। कर्ज लेना तभी वाजिब है, जब आप किसी जरूरी काम के लिए ऐसा कर रहे हों। सिर्फ किसी महंगे शौक या फिजूलखर्ची के लिए या फिर कर्ज लेने में जरा भी समझदारी नहीं है। इसी तरह शेयर मार्केट जैसे उतार-चढ़ाव वाले निवेश के लिए कर्ज लेना भी सही नहीं है। इसके लिए तो आपको अपने एक्स्ट्रा फंड का ही इस्तेमाल करना चाहिए। लोन लेना तभी वाजिब है, जब उसका इस्तेमाल आप किसी जरूरत के लिए कर रहे हों। मिसाल के तौर पर महानगर में रहने वाले लोगों के लिए कार जरूरत की चीज हो सकती है, लेकिन अगर आपका काम किसी सामान्य कार से चल सकता है, तो क्षमता से बाहर होने पर भी सिर्फ दिखावे के लिए ज्यादा कर्ज लेकर महंगी लग्जरी कार खरीदना समझदारी भरा फैसला नहीं हो सकता।

जिसने लगाया पैसा उसकी हो गई बल्ले-बल्ले, इंडेक्स म्यूचुअल फंड में कर सकते हैं निवेश

पिछले साल 10 इंडेक्स फंड ने दिया मुनाफा

जानकारी | बिजनेस डेस्क

"भारत में भी म्यूचुअल फंड अब लोकप्रिय हो रहे ■ म्यूचुअल फंड की कई कैटेगरी, दे रही मुनाफा ■ अच्छा रिटर्न भी निवेशकों को खूब लुभा रहा ■ कुछ फंड्स का रिटर्न तो 47 से 60% तक रहा ■ इंडेक्स को पेसिव फंड के नाम से भी जाना जाता है"

साल 2023 में इंडेक्स फंड में पैसा लगाने वालों की मौज हो गई है। इस साल 10 इंडेक्स फंड ने तो छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। कुछ फंड्स का रिटर्न तो 47 फीसदी से लेकर 60 फीसदी तक रहा है। यह रिटर्न एफडी और पीएफ जैसे परंपरागत निवेश विकल्पों से कई गुना ज्यादा है। इंडेक्स फंड में जोखिम कम माना जाता है, इन्हें पेसिव फंड भी कहा जाता है। इनमें भी निवेशक अन्य म्यूचुअल फंड की तरह एसआईपी के जरिए पैसा ला सकते हैं। इंडेक्स फंड किसी न किसी इंडेक्स को ट्रैक करते हैं। जैसे निफ्टी मिडकैप 50 इंडेक्स फंड, निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड या निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स फंड। किसी भी इंडेक्स फंड में लगाए गए पैसे, उस खास इंडेक्स में शामिल कंपनियों में ही डाले जाते हैं। इंडेक्स फंड का टोटल एक्सपेंस रेशियो एक्टिव फंड्स के मुकाबले काफी कम रहता है।

मिला शानदार रिटर्न

साल 2023 में बाजार में शानदार तेजी की वजह से इस बार म्यूचुअल फंड निवेशकों को भी अच्छा रिटर्न मिला है। इस रिपोर्ट में हम आपको उन इंडेक्स म्यूचुअल फंड्स के बारे में बताएंगे, जिन्होंने पिछले 1 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की डेटा से ऐसे 10 फंड्स को चुना है, जिनका एसेट अंडर मैनेजमेंट कम से कम सौ करोड़ रुपये से ज्यादा है।

इन फंड्स ने की धनवर्षा

पहला

आदित्य बिरला सन लाइफ निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स फंड है। इस फंड के रेगुलर प्लान का सालाना रिटर्न 60.60 फीसदी तो डायरेक्ट प्लान का रिटर्न 61.56 फीसदी रहा है।

दूसरा

एक्सिस निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स फंड का दूसरा नंबर है। इस फंड के रेगुलर प्लान ने 60.25 फीसदी तो डायरेक्ट प्लान ने 61.45 फीसदी रिटर्न पिछले एक साल में दिया है।

तीसरा

मोतीलाल ओसवाल एसएंडपी बीएसई इनहांस्ड वैल्यू इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान में निवेश करने वाले निवेशकों को 60.13 फीसदी और डायरेक्ट प्लान में पैसा लगाने को एक साल में 61.21 फीसदी रिटर्न मिला है।

चौथा

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल नैस्डेक 100 इंडेक्स फंड का एक साल का रिटर्न 56.47% (रेगुलर), 57.25% (डायरेक्ट) रहा है।

पांचवां

एडलवाइज निफ्टी मिडकैप 150 मोमेंटम 50 इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान का 1 साल का रिटर्न 50.99 फीसदी और डायरेक्ट प्लान का रिटर्न 52.08% रहा है।

छठा

टाटा निफ्टी मिडकैप फंड 150 मोमेंटम 50 इंडेक्स फंड का सालभर का रिटर्न 49.29 फीसदी और डायरेक्ट प्लान का 50.48 फीसदी रहा है।

सातवां

एक्सिस निफ्टी मिडकैप 50 इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान ने साल में 47.95% व डायरेक्ट प्लान ने 49.06% रिटर्न दिया है।

आठवां

मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान का रिटर्न 47.15 फीसदी तो डायरेक्ट प्लान का 48.17 फीसदी रहा

नौवां

एसबीआई निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान का रिटर्न 47.17 फीसदी तो डायरेक्ट का 48.06 फीसदी रहा है।

दसवां

निप्पॉन इंडिया निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड ने भी निवेशकों को एक साल में बंपर मुनाफा दिया है। इसके रेगुलर प्लान का साल का रिटर्न 46.94% और डायरेक्ट प्लान का रिटर्न 47.92 फीसदी रहा है।

शेयर बाजार में फिर गिरावट का दौर, ऐसे में क्या करें निवेशक

बिजनेस डेस्क

नए साल में शेयर बाजार में निवेशक गिरावट ही देख रहे हैं। बाजार कल गिरावट के साथ बंद हुआ था। मुख्य रूप से बैंक और आईटी शेयरों में मुनाफावसूली और विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी से बाजार नुकसान में रहा था। कल तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 379.46 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71,892.48 अंक पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान एक समय यह 658.2 अंक तक लुढ़क गया था। ऐसे में अधिकतर नए और रूढ़िवादी निवेशक 100% स्टॉक मार्केट एक्सपोजर से जुड़े जोखिमों, जैसे अनस्टेबिलिटी और डायवर्सिफिकेशन की कमी के बारे में चिंता करते हैं। इसलिए, ऐसे निवेशकों के लिए एक आदर्श विकल्प हाइब्रिड इनवेस्टमेंट सोल्यूशन तलाशना होता है।

क्या होता है हाइब्रिड म्यूचुअल फंड

आक्रामक हाइब्रिड म्यूचुअल फंड में इक्विटी और डेट का मिश्रण होता है। इसी वजह से यह निवेशकों की पूंजी में बढ़ोतरी तो करता ही है, उसे सुरक्षा का संतुलन भी प्रदान करता है। गोल्स फाइनेंशियल के पार्टनर दीपक महाडिक का कहना है कि हाइब्रिड म्यूचुअल फंड निवेशकों को सर्वश्रेष्ठ प्रदान करते हैं। निवेश की दुनिया में यह जीत का समीकरण हाइब्रिड निवेश के रूप में सामने आता है। आक्रामक हाइब्रिड फंडों का अनोखा प्रस्ताव यह है कि वे निवेश को दो परिसंपत्ति वर्गों - इक्विटी और डेट में फैलाते हैं। ये फंड 65-80% तक इक्विटी में निवेश करते हैं, जिससे उच्च विकास के पर्याप्त अवसर मिलते हैं। इसके विपरीत, इक्विटी सेगमेंट में अत्यधिक अस्थिरता या कम प्रदर्शन की अवधि के दौरान डेट घटक एक कुशन के रूप में कार्य करता है।

रिस्क फैक्टर कितना

आक्रामक हाइब्रिड फंड मध्यम जोखिम क्षमता वाले निवेशकों की जरूरतों को पूरा करते हैं और विकास और स्थिरता के बीच संतुलन बनाते हैं। महाडिक के मुताबिक, इक्विटी और ऋण दोनों घटकों को शामिल करने से जोखिम और अस्थिरता को प्रभावी ढंग से कम किया जा सकता है, जो कि इक्विटी फंडों में अनुपस्थित है। यह विविध दृष्टिकोण उच्च रिटर्न की संभावना को बनाए रखते हुए एक स्थिर निवेश वातावरण प्रदान करके निवेशकों के विश्वास को बढ़ाता है, जिससे आक्रामक हाइब्रिड फंड अपने निवेश पोर्टफोलियो में मापा जोखिम जोखिम चाहने वालों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन जाते हैं।

इस समय क्यों हो रही है इसकी चर्चा

आक्रामक हाइब्रिड फंड आज विशेष रूप से प्रासंगिक हैं। ऐसे समय में जब शेयर बाजार का मूल्यांकन विशेष रूप से सस्ता नहीं होता है। आक्रामक हाइब्रिड फंडों में पोर्टफोलियो पुनर्संतुलन में पूर्व निर्धारित सीमा के भीतर परिसंपत्ति आवंटन को पुनः व्यवस्थित करना शामिल है। आंकड़े बताते हैं कि एक दिसंबर, 2023 तक, आक्रामक हाइब्रिड फंड श्रेणी ने 13.7% (1 वर्ष में), 16.2% (3 वर्ष), 13.1% (5 वर्ष), और 13.8% (10 वर्ष में) का औसत रिटर्न दिया है। इस श्रेणी में हर समय-सीमा में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वालों में से एक आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इक्विटी और डेट फंड रहा है।

निवेशकों को लंबी अवधि के निवेश पर फोकस करना होगा, लक्ष्य लेकर चलेंगे तो निवेश के लिए कई बढ़िया ऑप्शन

सिक्योर रिटायरमेंट का लें मंत्र, 3 जगहों पर बड़े काम का निवेश

बिजनेस डेस्क

- 15 साल में इतना रिटर्न मिल जाएगा, बुढ़ापा आराम से कटेगा
- वीपीएफ, ईएलएसएस और पीपीएफ दे सकते हैं अच्छा मुनाफा
- ये आप्शन धारा 80 सी के तहत टैक्स बचाने में भी आते हैं काम

नया साल उत्साह और उमंग के साथ कई अच्छी खबरें लेकर आता है। यह समय फाइनेंशियल प्लानिंग के लिए भी बढ़िया होता है। अभी अगर आप अपने 30-40 की उम्र में हैं तो आपको रिटायरमेंट प्लानिंग कर लेनी चाहिए। बहुत से सैलरीड प्रोफेशनल्स अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग में रिटायरमेंट प्लानिंग को टारगेट पर रखकर नहीं चलते, लेकिन इस साल आप ये एक चीज तो फिक्स कर सकते हैं। अगर आप लंबी अवधि के निवेश और अपने रिटायरमेंट फंड की स्ट्रेटेजी लेकर चलें तो निवेश के लिए कई बढ़िया ऑप्शन हैं। इन ऑप्शन में आपको बेहतर रिटर्न देखने को मिल सकते हैं। वॉलेंटरी प्रोविडेंट फंड (वीपीएफ), क्विटी लिंक्ड सेंविग्स स्कीम (ईएलएसएस) या पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) में निवेश अच्छा मुनाफा दिला सकता है।

वॉलेंटरी प्रोविडेंट फंड

रिटायरमेंट के लिए वीपीएफ में निवेश एक बेहतर विकल्प हो सकता है। ईपीएफ में बेसिक सैलरी का सिर्फ 12 फीसदी ही कॉन्ट्रीब्यूट किया जा सकता है, लेकिन, वीपीएफ में निवेश करने की कोई सीमा नहीं होती। मतलब अगर कर्मचारी अपनी इन-हैंड सैलरी को कम रखकर भविष्य निधि में योगदान बढ़ाता है तो इस विकल्प को वीपीएफ कहते हैं। वीपीएफ में भी ईपीएफ के समान 8.15 फीसदी ब्याज दिया जा रहा है। ये स्कीम ईपीएफ का ही एक्सटेंशन है। इसे सिर्फ नौकरीपेशा ओपन कर सकते हैं। बेसिक सैलरी और डीए का 100 फीसदी इसमें निवेश किया जा सकता है।

वीपीएफ के लिए क्या करें?

आपको अपनी कंपनी के एचआर या फाइनेंस टीम से संपर्क करना होगा। वीपीएफ में कॉन्ट्रीब्यूशन की रिक्वेस्ट करनी होगी। प्रॉसेस होते ही आपके ईपीएएफ अकाउंट से वीपीएफ को जोड़ दिया जाएगा। वीपीएफ का अलग से कोई अकाउंट ओपन नहीं होता। वीपीएफ के योगदान को हर साल संशोधित किया जा सकता है। हालांकि, वीपीएफ में निवेश को लेकर एम्प्लॉयर बाध्य नहीं है। कर्मचारी सिर्फ अपना योगदान ही बढ़ा सकता है। अगर आप जॉब चेंज करते हैं तो इस अकाउंट को आसानी से ट्रांसफर कर सकते हैं। इस पर लोन भी मिलता है। बच्चों के एजुकेशन, होम लोन, बच्चों की शादी के लिए भी इससे लोन लिया जा सकता है। वीपीएफ खाते से रकम की आंशिक निकासी के लिए खाताधारक का 5 साल नौकरी करना जरूरी है। अगर 5 साल से कम है तो टैक्स कटता है। वीपीएफ की पूरी रकम केवल रिटायरमेंट पर ही निकाली जा सकती है। वीपीएफ पर आयकर कानून के सेक्शन 80सी के तहत टैक्स डिडक्शन का फायदा मिलता है। निवेश, ब्याज और मैच्योरिटी (ईईई) पर मिलने वाला पैसा पूरी तरह टैक्स फ्री है। ये स्कीम रिटायरमेंट के लिए काफी बढ़िया है।

इक्विटी लिंक्ड सेंविग्स स्कीम (ईएलएसएस)

देश में 42 म्यूचुअल फंड कंपनियां टैक्स सेविंग स्कीम चलाती हैं। हर कंपनी के पास इनकम टैक्स बचाने के लिए इक्विटी लिंक्ड सेंविग्स स्कीम (ईएलएसएस) है। इसे ऑनलाइन या किसी एजेंट से खरीदा जा सकता है। इनकम टैक्स बचाने के लिए वन टाइम इन्वेस्टमेंट लिमिट न्यूनतम 5 हजार रुपये है और हर महीने निवेश करना है तो न्यूनतम 500 रुपये महीने का निवेश शुरू कर सकते हैं। इसमें 1.5 लाख रुपये की अधिकतम टैक्स छूट ली जा सकती है, लेकिन अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं है।

ब्याज नहीं, मार्केट लिंक्ड रिटर्न

स्कीम में 3 साल के लिए लॉक-इन रहता है। बाद में निवेशक चाहे तो पैसा निकाल सकता है। 3 साल के बाद चाहें तो पूरा निकाला जा सकता है। आंशिक निकासी का भी ऑप्शन होता है। बाकी पैसा आप जब तक चाहें स्कीम में पड़ा रहने दे सकते हैं। ईएलएसएस की खास बात है कि इसमें निवेश पर ब्याज की जगह मार्केट लिंक्ड रिटर्न मिलता है।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) इस स्कीम को बैंक या पोस्ट ऑफिस में कहीं भी खोला जा सकता है। किसी भी बैंक या पोस्ट ऑफिस में ट्रांसफर भी किया जा सकता है। इसे खोलने के लिए सिर्फ 500 रुपये काफी हैं। हर साल 500 रुपये एक बार में जमा करना जरूरी है। अकाउंट में हर साल अधिकतम 1.5 लाख रुपये जमा किए जा सकते हैं। यह स्कीम 15 साल के लिए है, जिससे बीच में पैसा नहीं निकला जा सकता है, लेकिन, इसे 15 साल के बाद 5-5 साल के लिए बढ़ाया जा सकता है।

खबर संक्षेप

अग्रवाल सम्मेलन की ओर से आरती का आयोजन

नारनौल। पो शुक्ल पक्ष एकम तिथि को अग्रवाल सभा भवन स्थित महाराजा अग्रसेन दरबार में कुलदेवी महालक्ष्मी एवं महाराजा अग्रसेन की आरती का भव्य आयोजन किया गया। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के महामंत्री कृष्ण कंछल ने बताया कि अग्रवाल सभा प्रधान प्रेमचंद गुप्ता एडवोकेट ने माल्यार्पण कर एवं विनय कुमार गोयल एडवोकेट व राजकुमार गोयल एडवोकेट ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

अपने घर के सामने पांच दीप अवश्य जलाएं

महेंद्रगढ़। मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल टीम सदस्य एवं जिला रेडक्रॉस सोसाइटी उपमंडल कोऑर्डिनेटर राजेश शर्मा झाड़ली ने लघुसचिवालय में एसडीएम हर्षित कुमार आईएएस को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण भेंट किया। एसडीएम हर्षित कुमार ने कहा कि समस्त लोगों से अपील की है कि 22 जनवरी को भगवान श्री राम प्राण प्रतिष्ठा दीपावली के समान बड़ी धूमधाम से मनाई, जहां भी जगह मिले वहीं पर दीपक अवश्य जलाएं।

जीवन को सरल एवं सहज बनाना ही जीवन कौशल

मंडी अटेली। राजकीय माध्यमिक विद्यालय खोड़ में चल रहे पांच दिवसीय जीवन कौशल विकास कार्यक्रम का शनिवार को समापन हो गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्याध्यापक अनूप सिंह ने की। इस पांच दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों तथा विषय विशेषज्ञों ने बच्चों के साथ अपने जीवन अनुभवों को सांझा किया।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर वर्चुअल संगोष्ठी

नारनौल। प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती पर वर्चुअल संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 'समर्थ युवा-समर्थ भारत' विषय पर आयोजित इस विचार गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व जिला बाल कल्याण अधिकारी विपिन शर्मा उपस्थित रहे। अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय शर्मा ने की।

प्रदेश के विभिन्न शहरों से आए कलाकारों ने फन फेस्ट में सांस्कृतिक प्रस्तुति दी

फन फेस्ट आगाज 2024 रहा सम्मान, संस्कृति स्वास्थ्य और मनोरंजन का शानदार संगम

प्रतिभा सम्पन्न खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति देती छात्राएं। *फोटो : हरिभूमि*

नारनौल। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि विधायक डा. अभय सिंह यादव व नप उपप्रधान संजय यादव। *फोटो : हरिभूमि*

शहर में कुलताजपुर रोड स्थित बीपीएल स्कूल में शनिवार मौज-मस्ती, स्वस्थ खान-पान, मनोरंजन एवं हरियाणवी संस्कृति को समेटे भव्य फन फेस्ट आगाज 2024 का आयोजन किया गया। इसमें नांगल चौधरी के विधायक मुख्यअतिथि डॉ. अभय सिंह यादव मुख्य अतिथि थे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर संस्था चेयरमैन नरेश संघी एवं सचिव किशन चौधरी एडवोकेटश्रहे। अध्यक्षता संस्था प्रिंसिपल उदय भान राव ने की।

इस कार्यक्रम का आगाज मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान सीए इंटरमीडियट परीक्षा परिणाम में ऑल इण्डिया में छठां स्थान प्राप्त करने वाले छात्र वंष को 11000 रुपये, 43वां स्थान प्राप्त करने वाले पीयुष गुप्ता व 46वां स्थान प्राप्त करने वाले मंयक गर्ग को 5100-5100 रुपये नगद प्रदान कर सम्मानित किया। वहीं विद्यालय में 15 वर्ष के शैक्षिक कार्य से सेवानिवृत होने पर अध्यापिका पुनम शर्मा को 5100 रुपये प्रदान कर मुख्यअतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। फन फेस्ट में हरियाणा के विभिन्न शहरों से आए कलाकार रूबिया भारती, प्रकाश मलिक, संदीप कुमार, सलीम हरियाणवी एवं कार्तिक ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी।

फन फेस्ट में फूड स्टॉल्स, फन स्टॉल्स, सैल्फी सैन्टर्स, टैटू डिजाइनिंग, साइंस एग्जिबिशन, कैमल एवं हॉर्स राइडिंग, आर्ट एवं पेंटिंग एग्जिबिशन, हैल्थ एंड वैलनैस सैंटर इत्यादि मंडपों का करीब 4200 बच्चे व अभिभावकों ने आनंद उठाया। इस अवसर पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह भी विधायक डॉ. अभय सिंह यादव के द्वारा कार्यक्रम में सत्र 2023-24 में विभिन्न प्रतियोगिताओं आईआईटी जेईई मेन्स एवं एडवान्स, नीट, एनडीए क्वालिफायर्स, सीबीएसई टॉपर्स, सीए फाउंडेशन क्वालिफायर्स, आईसीएआई जीके क्विज़, आईसीआई कॉमर्स ऑलम्पियाड, आईसीएआई जीके ऑलम्पियाड, सीए, सीएस, थ्रो बॉल, राष्ट्रीय लेवल के खिलाड़ी, बाल भवन के विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जिला एवं राज्य स्तर पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों और गीता महोत्सव में विभिन्न स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी, राष्ट्रीय स्तर पर चयनित योगा, हाई जम्प, एथलैटिक्स, चैस एवं स्केटिंग के प्रतिभा सम्पन्न खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

संस्था प्रिंसिपल उदय भान राव ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। इस मौके पर वाइस चेयरमैन कमल संघी, डेंटल चिकित्सक कर्ण चौधरी, नगर परिषद के उपप्रधान संजय यादव, पार्षद कपिल यादव, मोहन शर्मा, सिकंदर सैनी, राजेंद्र सैनी व प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट अध्यक्ष संजय शर्मा, प्राईवेट स्कूल एसोसिएशन नारनौल के प्रधान भीमसेन शर्मा, प्राचार्य दिनेश शर्मा, लेक्चरर देवकीनंदन सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

आरपीएस वेटरनरी कॉलेज के विद्यार्थियों ने वीएलडी डिप्लोमा के परीक्षा परिणाम में किया शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

लुवास विश्वविद्यालय हिसार द्वारा वीएलडी डिप्लोमा के प्रथम व द्वितीय वर्ष का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया, जिसमें आरपीएस वेटरनरी कॉलेज बलाना के विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय में टॉप रहते हुए शानदार परीक्षा परिणाम दिया है। डीन डॉ. केएस रिशम ने कहा कि आरपीएस वेटरनरी कॉलेज अपनी स्थापना से ही अनुभवी शिक्षकों, बेहतरीन व्यवस्था व वातावरण में विश्व स्तर की सुविधाओं के मध्य लुवास विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राएं शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। अभी हाल ही में घोषित द्वितीय वर्ष के परीक्षा परिणाम में सचिन ने 91.85 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम, अमित कुमार ने 89.85 प्रतिशत अंक लेकर द्वितीय, शुभम यादव ने 89 प्रतिशत अंक लेकर तृतीय, रोहित ने 88.42 अंक लेकर चौथा स्थान प्राप्त किया। कॉलेज के 82 प्रतिशत अंक से अधिक अंक लेने वाले 10 विद्यार्थी रहे। प्रथम वर्ष के परीक्षा परिणाम में राहुल ने 87.71 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम, राहुल ने 87.14 प्रतिशत अंक लेकर द्वितीय, रवि शंकर ने 85 प्रतिशत अंक लेकर तृतीय, साहिल ने 84. 42 प्रतिशत अंक लेकर चौथा स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार 78 से अधिक अंक पाने वाले 10 विद्यार्थी रहे। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजीनियर मनीष राव ने कहा कि बेहतरीन परीक्षा परिणाम का श्रेय अभिभावकों की सोच, शिक्षकों की कठिन मेहनत व विद्यार्थियों की लगन को जाता है। रजिस्ट्रार डॉ. देवेंद्र यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय में संस्था के छात्रों का टॉप सूची में आना अपने आपमें एक बड़ी उपलब्धि है। इस मौके पर मुख्य सलाहकार डॉ. मणिकांत चौधरी, प्रो. आरएल भारद्वाज, प्रो. गेरा, प्रो. नंदा, प्रो. दिलीप, डॉ. योगेंद्र यादव, डॉ. योगेश, डॉ. दीपक व डॉ. नारायणी आदि ने बधाई दी।

किशोरियों के लिए जीवन कौशल विकास शिविर आयोजित

- राजकीय माडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित कैंप में लगभग 50 लड़कियों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। कार्यक्रम में संबोधित करती प्रवक्ता पवित्रा यादव। *फोटो : हरिभूमि*

राजकीय माडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित किशोरियों के लिए जीवन कौशल विकास शिविर का शनिवार समापन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य ब्रह्म प्रकाश दहिया की अध्यक्षता में समापन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पांच दिवसीय कैंप में लगभग 50 लड़कियों ने भाग लिया। प्राचार्य ब्रह्म प्रकाश दहिया ने सभी प्रतिभागियों को कैंप के दौरान सीखे गए कौशलों को अपने तथा अपने समाज में प्रसार करने की अपील की। रेडक्रॉस विभाग से डिविजनल कमांडर टेक चंद यादव ने सड़क सुरक्षा के नियमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सड़क सुरक्षा नियम के तहत गाड़ी चलाते समय कभी भी मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। सीटबेल्ट और हेलमेट पहनें। फुटपाथों पर संभलकर चलें और जेब्रा क्रॉसिंग से ही क्रॉस करें। गति सीमा का ध्यान रखें। कभी भी शराब पीकर वाहन न चलाएं। इस मौके पर उन्होंने यातायात के नियमों का पालन करने की शपथ भी दिलाई। प्राथमिक सहायता प्रवक्ता पवित्रा यादव ने प्राथमिक सहायता के उद्देश्यों, जलना, झुलसना, पानी में डूबना हड्डी की टूट, सांप व कुत्ते के काटने पर प्राथमिक उपचार के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि किसी व्यक्ति के अचानक बेहोश हो जाने उसकी हृदय की गति बंद हो जाने और उसकी स्वांस अवरुद्ध होने पर कैसे सीपीआर दिया जाता है आदि बातें प्रेक्टिकल करके दिखाया। कैंप में गजानंद यादव, निशा पांडेय तथा सरिता ने अहम भुमिका निभाई। कैंप में स्वास्थ विभाग, कृषि विभाग, बागवानी विभाग, रेडक्रॉस विभाग से नियमित विभिन्न वक्ताओं ने शिरकत की। कैंप में जैम जैली, आचार पापड़ बनाना, स्वछता जागरुकता, आर्ट एंड क्राफ्ट, नैतिकता एवं अनुशासन, सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा, प्राथमिक सहायता जैसे विभिन्न विषयों से अवगत करवाया। सभी प्रतिभागियों ने बहुत ही आकर्षक आर्ट एंड क्राफ्ट से संबंधित पेंटिंग, मटका पेंटिंग, व्यर्थ सामान से विभिन्न कलाकृतियों की प्रदर्शनी का भी आयोजन किया। विद्यालय परिवार की तरफ से सभी वक्ताओं, स्टॉफ सदस्यों तथा प्रतिभागियों को जलपान करवाया।

बचपन प्ले स्कूल मनाया लोहड़ी एवं मकर संक्रांति पर्व

महेंद्रगढ़। मौहल्ला जवाहरनगर में स्थित बचपन प्ले स्कूल में अध्यापिकाओं द्वारा लोहड़ी एवं मकर संक्रांति पर्व मनाया गया। विद्यालय चेयरमैन रमेश सैनी एवं चेयरपर्सन निशा सैनी ने सभी को लोहड़ी एवं मकर संक्रांति पर्व की बधाई देते हुए बताया की लोहड़ी पर्व मुख्य रूप से भारतीय उपमहाद्वीप के पंजाब या उत्तरी क्षेत्र में सिख और हिंदू समुदाय के लोगों द्वारा मकर संक्रांति से एक दिन पहले मनाया जाता है, जबकि मकर संक्रांति का त्यौहार भारत के प्रत्येक राज्य में अगले दिन अलग-अलग नाम से मनाया जाता है। लोहड़ी का पर्व सुंदरी-मुंदरी एवं दूल्हाभट्टी की कहानी से जुड़ा हुआ है तथा मकर संक्रांति के दिन सूर्य भगवान मकर राशि में प्रवेश करते हैं। इसलिए इस त्यौहार को मकर संक्रांति के नाम से जाना जाता है। मकर संक्रांति के दिन सभी घरों में देसी घी का चूरमा गरमा-गरम दाल के साथ खाया जाता है। इस दिन सूर्य भगवान और गोमाता की विशेष तौर पर पूजा की जाती है तथा रेवड़ी, मूंगफली, गुड़, शक्कर, तेल, तिल आदि का दान करने का महत्व बताया गया है। इस अवसर पर विद्यालय संस्थापक शेरसिंह सैनी, सावित्री, प्राचार्या चित्रा शर्मा, बचपन हेड रूपाली अरोड़ा, ज्योति शर्मा एवं प्रवक्ता अमरसिंह सोनी सहित विद्यालय की अनेक अध्यापिकाएं शामिल हुई।

आकाश एकेडमी में मनाया लोहड़ी पर्व

महेंद्रगढ़। आकाश एकेडमी में लोहड़ी पर्व मनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने किसानों की फसल की सुरक्षा और अच्छी फसल के लिए भगवान से प्रार्थना की। सभी बच्चों ने एक-दूसरे को मूंगफली और रेवड़ी खिलाई। विकास रामलवास ने बताया कि लोहड़ी का पर्व बेहद शुभ माना गया। यह हर साल जनवरी में मनाया जाता है। मकर संक्रांति के एक दिन पहले लोहड़ी मनाई जाती है। किसानों के लिए लोहड़ी का त्योहार बहुत महत्वपूर्ण है। देवेंद्र बैरावास ने बताया कि लोहड़ी के दिन भगवान श्रीकृष्ण, मां आदिशक्ति और अग्निदेव की विशेष रूप से पूजा की जाती है। सबसे पहले पश्चिम दिशा में मां आदिशक्ति की प्रतिमा स्थापित की जा जाती है और फिर सरसों के तेल का दीपक जलाया जाता है। इसके बाद प्रतिमा पर सिंदूर चढ़ाया जाता है। भोग में रेवड़ी और तिल के लड्डू चढ़ाए जाते हैं। इसके बाद सूखा नारियल लेकर उसमें कपूर डालते हैं, फिर अग्नि जलाकर उसमें तिल के लड्डू, मक्का और मूंगफली अर्पित करनी होती है। इसके पश्चात लोहड़ी की सात या 11 बार परिक्रमा करनी चाहिए, इस नियम से पूजा करने से लोहड़ी की कृपा हमेशा बनी रहती है और धन-धान्य की कभी कमी नहीं होती है। इस मौके पर विकास रामलवास, देवेंद्र बैरावास, मनोज, जगदेव झुंझुनूं, बबीता यादव, कंचन यादव, ज्योति सैनी, सचिन कुमार, राकेश, आकाश व पुष्पिंद्र आदि उपस्थित रहे।

आरपीएस में खेल प्रतियोगिता का आयोजन

महेंद्रगढ़। आरपीएस विद्यालय में लोहरी पर्व मनाया गया। इस दौरान विद्यालय में विभिन्न खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षक व शिक्षिकाओं ने भाग लिया। आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजी. मनीष राव ने लोहरी व मकर संक्रांति पर्व की बधाई दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने की। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि हमारा देश पर्वों का देश है। समय-समय पर यहां मनाए जाने वाले पर्व हमारे अंदर एक नया उत्साह व उमंग लेकर आते हैं। पर्व हमारी सभ्यता व संस्कृति के प्रतीक है। प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने बताया कि लोहड़ी के उत्सव से जुड़ा एक विशेष महत्व यह है कि इस दिन, सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है, जिसे शुभ माना जाता है क्योंकि यह एक नई शुरूआत का प्रतीक है। विद्यालय के शिक्षक व शिक्षिकाओं की अनेक खेल प्रतियोगिता करवाई गई, जिसमें उन्होंने काफी उत्साह के साथ भाग लिया। इस शिक्षकों की लेमन रेस, बैलून रेस, म्यूजिकल चेयर का आयोजन किया गया। सबसे ज्यादा आनंददायक रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता रही, जिसमें शिक्षक व शिक्षिकाओं ने काफी उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में विद्यालय के खेल प्रशिक्षकों की अहम भूमिका रही। इस मौके पर उप प्राचार्य दिनेश कुमार, विंग हैड देवेंद्र पूनिया, जिले सिंह, अमित कुमार, ममता यादव, अनिता अहलावत सहित आदि उपस्थित रहे।

यदुवंशी के 29वें स्थापना दिवस पर भव्य समारोह आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

यदुवंशी शिक्षा निकेतन के 29वें स्थापना दिवस पर आयोजित होने वाले भव्य समारोह का आयोजन रविवार को सुबह दस बजे नई अनाज मंडी चरखी दादरी में किया जाएगा। कार्यक्रम में पूर्व राज्यपाल एवं प्रसिद्ध भारतीय राजनीतिज्ञ सत्यपाल सिंह मलिक मुख्यातिथि तथा सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार अध्यक्ष के रूप में शिरकत करेंगे। यदुवंशी ग्रुप चेयरमैन एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता राव बहादुर सिंह ने प्रत्येक गावों में किए जाने वाले अपने सम्मान समारोह कार्यक्रम के दौरान एक नवंबर से अब तक दो हजार से अधिक गांवों में जाकर वरिष्ठ नागरिकों, पंचायत एवं ब्लॉक समिति सदस्यों, जिला पार्षद, पूर्व व वर्तमान सरपंचों तथा सभी सेवानिवृत सरकारी कर्मचारियों को सम्मानित किया है। राव ने कहा कि यदुवंशी शिक्षा निकेतन आज पूरे हरियाणा प्रदेश में स्थापित हो संस्कारित शिक्षा का एक लंबे समय से प्रचार-प्रसार कर विद्यार्थियों को उचित प्लेटफार्म तैयार करवाकर दक्षता हासिल करवाते हुए उनका स्वर्णिम भविष्य बना रहा है। इसका शुभारंभ 1995 को मकर संक्रांति के पावन अवसर पर महेंद्रगढ़ से हुआ तब उस समय महेंद्रगढ़ को पिछड़ा इलाका समझा जाता था और आज यही इलाका शिक्षा के हब के नाम से जाना जाता है। अभिभावक अब दूर-दराज से यहां आकर अपने बच्चों को शिक्षा ग्रहण करवाते हैं। राव ने सभी क्षेत्रवासियों को भव्य कार्यक्रम के लिए पुनः आमंत्रित करते हुए कहा है कि आप अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर हमें अनुगृहित करें। इस दौरान प्रातः 11 बजे से प्रतिभोज की व्यवस्था रहेगी।

वरिष्ठ नागरिकों को किया सम्मनित

- बहन मिश्रीदेवी आश्रम में वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह आयोजित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। वासुदेव यादव को सम्मानित करते संगठन प्रधान। *फोटो : हरिभूमि*

वरिष्ठ नागरिक संगठन की ओर से शनिवार को किला रोड स्थित बहन मिश्रीदेवी आश्रम में वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसकी अध्यक्षता वासुदेव यादव ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डा. एलसी जोशी रहे। अध्यक्ष वासुदेव यादव ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक संगठन शहर का ऐसा मजबूत संगठन है जो बुजुर्गों के साथ-साथ शहर की जनहित से जुड़ी समस्याओं को उठाता है और उसका समाधान करवाने में अपनी अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि 60 उम्र का पड़ाव पार कर चुके बुजुर्ग इस संस्था के सदस्य है। वह परिवारिक जिम्मेवारियों को लगभग पूरा करके समाजहित के कार्यों में जुड़े हुए है। इस सम्मान समारोह में संस्था के अध्यक्ष दुलीचंद शर्मा, मुखराम सैनी, अजित प्रकाश जैन, डा. आरएन यादव, डा एसएस यादव, सूरज अग्रवाल, शिवहरि अग्रवाल, परमानन्द दीवान व कृष्णा आर्य सहित शहर के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

आयुष्मान ने गरीबों को इलाज के बिल की चिंता से मुक्त किया : रामबिलास

जनसंवाद संकल्प यात्रा पथरवा व जवाहर नगर पहुंची

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सतनाली मंडी

सतनाली। 14 महीने पाकिस्तान की जेल में रहे गुलाब सिंह को सम्मानित करते रामबिलास शर्मा।

विकसित भारत जन संवाद संकल्प यात्रा आज गांव पथरवा व जवाहर नगर पहुंची। इस मौके पर विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर योजनाओं के लिए पंजीकृत किया। गांव पथरवा व जवाहर नगर में पूर्व शिक्षा मंत्री प्रोफेसर रामबिलास शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की व नागरिकों को विकसित भारत की शपथ दिलाई तथा विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों का जायजा लिया व योजनाओं के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर तीन नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाकर दिए। आयुष विभाग द्वारा योग का प्रशिक्षण करवाया गया व 250 लोगों की स्वास्थ्य जांच कर दवाइयां दी गई। इसी प्रकार स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी बीपी शुगर इत्यादि जांच की गई व दवाइयां दी गई। समाज कल्याण विभाग से सहायक हनुमान ने गांव पथरवा व जवाहर नगर में चार वृद्धावस्था पेंशन बनाई। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग से एसडीओ जीया राम ने हर घर जल पहुंचाने पर गांव पथरवा व जवाहर नगर के सरपंच प्रतिनिधियों को अभिनंदन पत्र दिया। जवाहर नगर गांव में पूर्व शिक्षा मंत्री प्रोफेसर रामबिलास शर्मा ने 1971 की लड़ाई में 14 महीने पाकिस्तान की जेल में रहे गुलाब सिंह पुत्र सरदार सिंह को लोई ओढ़ाकर सम्मानित किया। सबसे बुजुर्ग पुरुष कन्हीराम लगभग 90 वर्ष को लोई ओढ़ाकर सम्मानित किया। जवाहर नगर गांव के शहीद उमराव सिंह, पहलाद सिंह, राजेंद्र सिंह, जय नारायण सिंह व पतराम सिंह के परिजनों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इसी प्रकार गांव पथरवा में सबसे बुजुर्ग पुरुष सोहनलाल लगभग 90 वर्ष को लोई ओढ़ाकर तथा शहीद हनुमान सिंह आर्य एशियाड विजेता के परिजनों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। स्वतंत्रता सेनानी पहलाद सिंह के परिजनों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। सेना मेडल से पुरस्कृत मास्टर धर्मचंद को लोई ओढ़ाकर सम्मानित किया।

खबर संक्षेप

कॉलेज में एनएसएस का एक दिवसीय शिविर संपन्न

मंडी अटेली। राजकीय महिला महाविद्यालय अटेली में शनिवार को एनएसएस की दोनों इकाइयों द्वारा एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में दोनों इकाइयों की स्वयं सेविकाओं ने भाग लिया। शिविर का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्य प्रवीण यादव द्वारा किया गया। कॉलेज प्राचार्य ने स्वयंसेविकाओं को एनएसएस के महत्व बताया। इस मौके पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ सुनील कुमारी एवं प्रियंका के समस्त स्टाफ उपस्थित था।

नांगल में दो दिन रहेगी विकसित भारत यात्रा

नांगल चौधरी। नांगल चौधरी में दो दिन विकसित भारत यात्रा कार्यक्रम रहेगा। जिसमें आमजन को विभागीय योजनाएं तथा सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। सचिव सौरभ जैन ने बताया कि 14 जनवरी को नपा कार्यालय में कैंप लगेगा। इसके बाद 15 जनवरी को पीएम श्री सीनियर सकेंडरी स्कूल में विकसित भारत यात्रा पहुंचेगी।

कल सिहमा में मनेगा मायावती का जन्मदिन

मंडी अटेली। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती का 68वां जन्मदिन 15 जनवरी को जनकल्याणकारी दिवस के रूप में सिहमा में मनाया जाएगा। जानकारी देते हुए बसपा जिला उपाध्यक्ष राहुल बौद्ध ने बताया कि क्षेत्र के सभी गांवों में बसपा सुप्रीमो मायावती का जन्मदिन जन कल्याणकारी दिवस के रूप में मनाया जाएगा। जन्मदिन की इस मौके पर लोकसभा चुनाव के लिए नवयुक्त कार्यकर्ताओं की ड्यूटी लगाई जाएगी।

प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में 40 किमी की शोभा यात्रा

मंडी अटेली। अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में 14 जनवरी को अटेली के राधाकृष्ण मंदिर से निकाली जाएगी। आरएसएस परिवार के संगठनों द्वारा यह यात्रा निकाली जाएगी, जो मंदिर से शुरू हो कर रातां, भोजावास, कनीना होते हुए बूचावास में पहुंचेगी। भाजपा के युवा जिला उपाध्यक्ष यतेंद्र यादव ने बताया कि अयोध्या में राम मंदिर के बनने से हिंदू धर्मावलंबियों में अपार खुशी का माहौल है। करीब 40 किमी. लंबी शोभा यात्रा बाजे-गाजे के साथ जय श्रीराम के गगनभेदी उदघोष के साथ निकलेगी।

शिक्षा विभाग ने चिराग योजना का शेड्यूल किया जारी, प्रदेश में निजी स्कूलों को 10 फरवरी तक देना होगा खाली सीटों का ब्यौरा

- निजी स्कूलों को क्लास के अनुसार साइट पर देना होगा सीटों का विवरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शिक्षा विभाग ने चिराग योजना यानि मुख्यमंत्री हरियाणा समान शिक्षा राहत सहायता का शेड्यूल दाखिले के लिए जारी कर दिया है। ऐसे में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे अब मनपसंद निजी विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। योजना के तहत कक्षा चौथी से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थी अपने मनपसंद निजी स्कूल में दाखिला लेकर शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। इसके लिए मौलिक शिक्षा निदेशालय की तरफ से चिराग योजना के तहत दाखिले का शेड्यूल जारी कर दिया है। शिक्षा निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को जारी शेड्यूल के अनुसार दाखिला प्रक्रिया शुरू करवाने के निर्देश दिए हैं। निदेशालय के निर्देश-अनुसार स्कूलों को पोर्टल पर सहमति देते हुए खाली सीटों का ब्यौरा 10 फरवरी तक देना है। 15 मार्च से विद्यार्थी इन खाली सीटों पर आवेदन कर पाएंगे। शिक्षा निदेशालय की तरफ से जारी किए गए शेड्यूल के अनुसार मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों को चिराग योजना के तहत अपनी सहमति विभाग की वेबसाइट पर दर्ज करवानी होगी। इसके लिए स्कूलों को 10 जनवरी से 10 फरवरी तक की समयावधि दी गई है। निजी स्कूलों को कक्षा अनुसार सीटों का विवरण भी साइट पर दर्शाना होगा। इसके साथ ही निर्धारित सीटों का विवरण 10 मार्च से नोटिस बोर्ड पर भी चस्पा करना होगा। जिससे अभिभावक व बच्चे सीटों का विवरण देखकर दाखिले के लिए आवेदन कर सकें। योजना में दाखिले लेने वाले विद्यार्थी के परिवार की वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से कम होनी चाहिए। चिराग योजना के तहत दाखिले की प्रक्रिया 15 अप्रैल तक चलेगी।

महेंद्रगढ़। खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय।

गरीब परिवारों के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देना

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से गरीब परिवारों के बच्चों को निशुल्क शिक्षा प्रदान करना हैं। चिराग योजना के तहत निजी विद्यालयों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया 15 मार्च से शुरू होगी, जो 31 मार्च तक चलेगी। स्कूल प्रबंधन को प्राप्त आवेदन पोर्टल पर अपलोड करने होंगे। योजना के तहत सरकारी विद्यालयों के पात्र विद्यार्थी भी निजी स्कूलों में स्थानांतरण करवा सकेंगे। जिन विद्यालयों में प्राप्त आवेदन निर्धारित सीटों से अधिक होंगे, वहां दाखिले के लिए ड्रा प्रणाली अपनाई जाएगी। ऐसे स्कूलों में एक से पांच अप्रैल तक ड्रा निकाले जाएंगे।

खंड शिक्षा अधिकारी अलका ने बताया कि चिराग योजना के तहत दाखिले को लेकर शेड्यूल जारी कर दिया गया है। सभी मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों को योजना के तहत पोर्टल पर सीटों की स्थिति स्पष्ट करनी होगी। साथ ही इसका विवरण स्कूल के नोटिस बोर्ड भी चस्पा करना होगा। दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया 15 मार्च से शुरू होगी।

शिक्षा विभाग की तरफ से जारी शेड्यूल और शर्तें

- मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों को चिराग स्कीम के अंतर्गत 10 फरवरी तक सीटें बतानी है।
- सहमत मान्यता प्राप्त स्कूलों को 10 मार्च तक नोटिस बोर्ड पर खाली सीटों का विवरण देना होगा।
- छात्र सहमत मान्यता प्राप्त स्कूलों में 10 मार्च से 31 मार्च तक आवेदन कर सकते हैं।
- जिन स्कूलों में सीटों से ज्यादा आवेदन होंगे वहां पर एक अप्रैल से पांच अप्रैल तक की अवधि में ड्रा निकाले जाएंगे।
- स्कूलों को 10 अप्रैल तक दाखिले की प्रक्रिया पूरी करनी है। इसके अलावा रिक्त सीटों पर प्रतीक्षा सूची में शामिल विद्यार्थियों के 15 अप्रैल तक दाखिले किए जाने हैं।
- योजना में कक्षा चौथी से 12वीं के विद्यार्थी आवेदन कर सकेंगे।
- विद्यार्थी को सरकारी स्कूल छोड़ने का प्रमाणपत्र लाना अनिवार्य रहेगा।
- दाखिले के लिए विद्यार्थी का परिवार पहचान-पत्र होना अनिवार्य है।
- परिवार की वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये या इससे कम होनी चाहिए।
- दाखिला प्रक्रिया को लेकर जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी को विभागीय नॉमिनी नियुक्त करना होगा। इसके लिए खंड शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य, मुख्याध्यापक, पीजीटी आदि शामिल होंगे।

ग्रामीणों के बेहतर स्वास्थ को गांव-गांव खोली व्यायामशालाएं : विधायक

सरकार खेलों और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने को निरंतर प्रयासरत

छितरोली में आयोजित बाबा धूनिगर की याद में आयोजित मेले में बोले छितरोली से बहाला व धनौंदा लिंक मार्ग को पक्का करने की दी मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

कनीना। छितरोली में आयोजित मेले में कृषि मंत्री जेपी दलाल व स्टेडियम में आयोजित नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता में हिस्सा लेते खिलाड़ी।

सरकार खेलों और खिलाड़ियों के लिए अनेक योजनाएं क्रियान्वित कर रही है। खेल नर्सरी शुरू करने की दिशा में सरकार की ओर से अच्छे प्रयास किए हैं। ये विचार प्रदेश के कृषि मंत्री जेपी दलाल ने हलका विधायक सीताराम यादव की उपस्थिति में शनिवार को कनीना सब डिवीजन के गांव छितरोली में आयोजित बाबा धूनिगर मेले में कबड्डी प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों और खिलाड़ियों के समक्ष व्यक्त किए। उन्होंने रक्तदान शिविर का भी शुभारंभ किया। इस शिविर में 51 यूनिट रक्त एकत्रित की गई।

ग्रामीणों की मांग पर उन्होंने छितरोली से बहाला और धनौंदा लिंक मार्ग को पक्का करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि करीब सात किलोमीटर लंबे दोनों मार्गों को शीघ्र ही पक्का किया जाएगा। खंड स्तरीय खेल स्टेडियम में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता को लेकर उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं के चलते हरियाणा के खिलाड़ियों ने ओलम्पिक, एशियाड सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक पर कब्जा किया है। हरियाणा की खेल नीति विश्वभर में श्रेष्ठ है। खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए उनका डाईट भत्ता बढ़ाया गया है। प्रदेश के सभी हलकों में समान रूप से विकास कार्य करवाने को प्रतिबद्ध है। विधायक सीताराम यादव ने कहा कि सरकार ने युवाओं व ग्रामीणों के बेहतर स्वास्थ को लेकर व्यायामशलाएं खोली हैं। खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार कृतसंकल्प है। 14 जनवरी रविवार को मकर सक्रांति के अवसर पर बाबा धूनिगर की 75वीं स्मृति में विशाल धार्मिक मेले का आयोजन होगा। मेला कमेटी के वरिष्ठ सदस्य सूबेदार सुखबीर सिंह ने बताया कि 14 जनवरी को सुबह 11 बजे से कुश्ति-कबड्डी हरियाणा स्टाईल शुरू होगी। 31 हजार रुपये तक की कुश्ति तथा 100 मीटर से पांच हजार मीटर दौड़ होगी। मेले में श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का भी प्रबंध किया गया है। इस मौके पर अति विशिष्ठ अतिथि के रूप में महामहिम उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की भांजी एडवोकेट राजबाला, एसडीएम सुरेंद्र सिंह, जिला पार्षद अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार, पंचायत समिति प्रधान जयप्रकाश, सरपंच हरिओम,अजमेर दांगी, सोमबीर धनखड़ के अलावा नरेंद्र शास्त्री, बलवान सिंह, विनोद कुमार, निरीक्षक जगदीश प्रसाद, भागमल, सुभाष धनखड़, जगबीर सिंह, रामनिवास, कुलदीप सिंह, सुरेंद्र सिंह व ग्रामीण उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। एनआईआरएफ रैंकिंग के लिए ऑनलाइन आवेदन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य।

एनआईआरएफ रैंकिंग-2024 के लिए हकेंवि ने किया आवेदन

- 1600 से अधिक पेपर स्कोपस डेटाबेस में किए सूचीबद्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने समग्र इंजीनियरिंग और नवाचार श्रेणियों में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2024 के लिए आवेदन किया। एनआईआरएफ पोर्टल पर डेटा सफलतापूर्वक प्रस्तुत करने के बाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में अनुसंधान और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बेहतर बनाने की दिशा में पिछले शैक्षणिक वर्ष में किए गए उल्लेखनीय प्रयासों के परिणामस्वरूप हमें उम्मीद है कि यह अगले वर्ष हमारा विश्वविद्यालय एनआईआरएफ रैंकिंग में उल्लेखनीय स्थान हासिल करेगा।

कुलपति ने इस अवसर पर शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से शोध प्रकाशन में अब तक 1600 से अधिक पेपर स्कोपस डेटाबेस में सूचीबद्ध किए गए हैं और विश्वविद्यालय का एच-इंडेक्स अब 52 है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार कौशल विकास के अवसर प्रदान कर रहा है। विवि के विद्यार्थियों को उनकी योग्यता के अनुसार कैंपस प्लेसमेंट प्रदान किया जा रहा है। सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो.सुनील कुमार, डॉ. संतोष सीएच, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. फूल सिंह और डॉ. आशीष माथुर ने अधिकारियों के सामने डेटा प्रस्तुत किया। एनआईआरएफ पोर्टल पर डेटा जमा करने के समय टीम के सदस्य डॉ. अमित कुमार, डॉ. विकास, डॉ. कानू और अन्य संकाय सदस्य भी उपस्थित रहे।

कनीना पहुंच एडीसी ने नवनिर्मित सड़क व स्वच्छता का लिया जायजा

कनीना। कनीना में स्वच्छता रैंकिंग को लेकर शनिवार को एडीसी वैशाली सिंह ने दौरा कर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नगरपालिका के अधिकारियों एवं एसडीएम सुरेंद्र सिंह, नपा सचिव समयपाल सिंह को साफ-सफाई सम्बंधी दिशा-निर्देश दिए और आमजन को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने को कहा। कनीना में बनाए गए सड़क मार्गों में इस्तेमाल किए गए मैटीरियल की गुणवत्ता भी परखी। उल्लेखनीय है कि कनीना में करोड़ों रुपये की लागत से कार्य करवाए जा रहे हैं। उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस मैमोरियल क्लब में बनने वाले पुस्तकालय भवन व टॉयलेट की जगह का भी निरीक्षण किया। उसके बाद खेल स्टेडियम व सिटी पुलिस थाना भवन के लिए जगह का मुआयना भी किया। माना जा रहा है कि वित्त वर्ष 2024 में कनीना के लिए अनेक प्रोजेक्ट पर कार्य होगा व उपमंडल को नया लुक मिलेगा। कनीना-अटेली रेलवे फाटक पर आरओबी का कार्य शुरू किया गया है जिसके तैयार होने के बाद नागरिकों को नई अनाज मंडी सहित आने-जाने वाले वाहन चालकों को सुविधा मिलेगी। अटेली हलका विधायक सीताराम यादव के प्रयासों से कनीना में विभिन्न प्रकार के कार्य शुरू किए गए हैं।

कनीना। कनीना में स्वच्छता व पुस्तकालय भवन के लिए जगह का अवलोकन करती एडीसी।

सीएम की मंजूरी के बाद भी रोडवेज एसी बसों का किराया राउंड फिगर नहीं हुआ

नारनौल। रोडवेज बस डिपो प्रधान अनिल भीलवाड़ा ने बताया कि वर्तमान में मुख्यालय चंडीगढ़ ने एसी बसों के किराया को ई-टिकटिंग मशीनों में अपलोड कर दिया है, लेकिन किराया राउंड फिगर में नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने अक्टूबर में हरियाणा रोडवेज के किराए को राउंड फिगर में करने की मंजूरी दी थी, लेकिन मुख्यालय चंडीगढ़ द्वारा कैबिनेट की मंजूरी के बाद भी हरियाणा रोडवेज की एसी बसों के किराए को ई-टिकटिंग मशीनों में राउंड फिगर में अपलोड नहीं किया गया है। जिस कारण इन बसों में नारनौल से अटेली का किराया 26 रुपये, कुंड का 52 रुपये, रेवाड़ी का 94 रुपये, धारूहेड़ा का 131 रुपये, बिलासपुर का 147 रुपये, गुड़गांव का 199 रुपये, दिल्ली धौला कुआं का 242 रुपये व दिल्ली से वापसी आते समय दिल्ली से धारूहेड़ा का 124 रुपये, रेवाड़ी का 156 रुपये, अटेली 219 रुपये, पचेरी का 282 रुपये, सिंघाना का 308 रुपये, बांगड़ का 402 रुपये, झुंझुनूं का 433 रुपये अपलोड किया है।

कंप्यूटर शिक्षा दिनचर्या का अभिन्न अंगः रमेश सैनी

- नप चेयरमैन डिप्लोमा वितरण कार्यक्रम में पहुंचे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

कंप्यूटर शिक्षा हमारी दिनचर्या का अभिन्न अंग हो गया है। कंप्यूटर के बिना हमारी दिनचर्या अधूरी सी लगती है, बल्कि यूं कहें की कंप्यूटर के बिना जिंदगी असंभव सी लगने लगी है तो गलत नहीं होगा। इसीलिए हर विद्यार्थी को कंप्यूटर शिक्षा अवश्य लेनी चाहिए। उपरोक्त विचार सतनाली मोड स्थित हारट्रोन कंप्यूटर एजुकेशन सेंटर पर डिप्लोमा वितरण कार्यक्रम में मुख्यातिथि नगर पालिका चेयरमैन रमेश सैनी ने व्यक्त किए। कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि महेंद्रगढ़ प्रधान दिनेश चंद्र वैद्य ने कहा कि हारट्रोन संस्थान से कंप्यूटर शिक्षा लेकर विद्यार्थी अपने करियर को नई दिशा दे सकते हैं। आधुनिक युग में जीवन के हर क्षेत्र में कंप्यूटर शिक्षा महत्वपूर्ण जरूरत बन गई है। उन्होंने अपने निजी से बच्चों को प्रोत्साहन राशि भी भेंट की। कार्यक्रम की अध्यक्षता सवेरा स्वयंसेवी संस्था प्रदेश अध्यक्ष मनोज गौतम ने कहा कि पिछले 15 सालों से इस संस्थान ने हजारों बच्चों को शिक्षा देकर कामयाब किया है। आज 52 बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर प्रमाण पत्र वितरित किए गए हैं। निश्चित रूप से समाज के जरूरमंद विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा देकर हारट्रोन स्किल एवं कंप्यूटर एजुकेशन सेंटर बहुत बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी निभा रहा है। नेहा, मुस्कान, निशा, दीपांशु एवं अन्य विद्यार्थियों ने सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। सरस्वती वंदना अमर सिंह सोनी ने प्रस्तुत की। हारट्रोन स्किल एवं कंप्यूटर एजुकेशन सेंटर की तरफ से मुख्यातिथि, विशिष्ट अतिथि एवं अमर सिंह सोनी को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गोविंद, दीपक, सरेला, रेनू, रेखा, बबीता, किरण, विवेक, साहिल, ललिता, मोहित, पंकज, नेहा व संजू आदि मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को डिप्लोमा वितरित करते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

कांग्रेस की जनसंदेश यात्रा का 20 को रायमलिकपुर गांव से होगा शुभारंभ

नांगल चौधरी। कांग्रेस नांगल चौधरी हलके में 20 जनवरी को रायमलिकपुर से जनसंदेश यात्रा का शुभारंभ करेगी। यात्रा की अगुवानी पूर्व मंत्री किरण चौधरी करेंगी। जिसमें राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य कुमारी शैलजा व रणदीप सुरजेवाला मुख्य रूप से मौजूद रहेंगे। प्रत्याशी रहे राजाराम गोलवा ने बताया कि भाजपा के पास कोई नीति या एजेंडा नहीं है। लोगों को जातिवाद और धार्मिक विचारधारा में विभाजित करने वाली राजनीति कर रही है। 20 जनवरी को रायमलिक, थनवास, नांगल नूनिया, नांगल चौधरी व नांगल दुर्गू में संभाएं होंगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

नशा मुक्त व अपराध मुक्त समाज के लिए मिलकर करें प्रयास : डीएसपी जितेंद्र

हरियाणा उदय मुहिम, बारड़ा में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सतनाली मंडी

हरियाणा उदय मुहिम के तहत नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में युवाओं व ग्रामीणों को जोड़कर युवाओं को शिक्षा व खेल के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से जिला पुलिस ने गांव बारडा में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि डीएसपी जितेंद्र कुमार ने कहा कि नशा समाज के लिए गंभीर समस्या है, इसलिए इस समस्या से निजात पाने के लिए तथा नशे को जड़ से समाप्त करने के लिए समाज के सभी लोगों को मिलकर सामूहिक प्रयास करना होगा। उन्होंने बताया कि पुलिस महानिदेशक के आदेश एवं पुलिस अधीक्षक नितिश अग्रवाल के निर्देशानुसार जिला पुलिस द्वारा इस प्रकार के आयोजनों से युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश देकर खेलों से जोड़ना और युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना है ताकि युवा पीढ़ी नशे और दूसरे अपराधों से दूर रह सके और अपनी ऊर्जा का सही जगह इस्तेमाल कर देश का नाम रोशन कर सकें। उन्होंने कहा कि अगर गांव में किसी प्रकार का अवैध नशा, अवैध गतिविधि हो रही हो तो उसकी सूचना तुरन्त पुलिस को दें, सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस मुहिम के माध्यम से एक उद्देश्य पुलिस और समाज के लोगों के बीच समन्वय स्थापित करना है।

इस अवसर पर गांव के खेल मैदान में वॉलीबॉल, रस्सा-कस्सी तथा 100 मीटर, 200 मीटर व 400 मीटर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गांव खैरोली के युवाओं और पुलिस जवानों के बीच रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता में हरियाणा पुलिस की टीम ने जीत हासिल की। वॉलीबॉल में गांव बारड़ा की टीम ने जीत हासिल की। विजेता टीमों को डीएसपी ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इसी प्रकार दौड़ प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि ने मैडल पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्त्रक्रम के दौरान ग्राम पंचायत द्वारा मुख्य अतिथि डीएसपी जितेंद्र कुमार का पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। उप पुलिस अधीक्षक ने सरपंच व गणमान्य लोगों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पुलिस विभाग के तरफ से गांव बारड़ा को वॉलीबॉल खेल का सामान भी भेंट किया गया। ग्रामीणों ने कहा कि समाज को नशा मुक्त बनाने में वो पुलिस का पूरा सहयोग करेंगे। इस मौके पर गांव के मौजीज व्यक्ति करतार सिंह ने युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक किया और पुलिस विभाग, खेल विभाग द्वारा युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने की मुहिम की सराहना की।

सतनाली। रस्सा-कस्सी में दम आजमाते खिलाड़ी व गांव की सरपंच को स्मृति चिन्ह भेंट करते डीएसपी जितेंद्र कुमार। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रविवार 14 जनवरी 2024

मकर संक्रांति विशेष

मकर संक्रांति पर्व की धार्मिक ही नहीं अत्यधिक सांस्कृतिक महत्ता भी है। यह पर्व ऋतुचक्र में होने वाले परिवर्तन और सूर्य की गति में बदलाव को भी प्रकट करता है। यह पर्व देश के अलग-अलग भागों में विभिन्न रूपों और नामों से मनाया जाता है। लेकिन इसे मनाने की मूल भावना में निहित सामाजिक समरसता, इसकी खूबसूरती को और बढ़ा देता है।

धार्मिक आस्था-सांस्कृतिक उल्लास का पवित्र पर्व मकर संक्रांति

{ आवरण कथा / आर.सी.शर्मा }

पूर्व से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण तक नाम भले अलग-अलग हों, लेकिन मकर संक्रांति का धार्मिक-सांस्कृतिक पर्व, पूरे भारत में मनाया जाता है। देश के अलग-अलग हिस्सों में इसे अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। जैसे- उत्तर भारत के ज्यादातर हिस्सों में इसे मकर संक्रांति कहते हैं, तो पंजाब में लोहड़ी, गुजरात में उत्तरायण, उत्तराखंड में उत्तरायणी, केरल में पोंगल, असम में माघ बीहू और भोगाली बीहू, बिहार-उत्तर प्रदेश में खिचड़ी, बंगाल में दान पूर्व और तमिलनाडु में पोंगल के नाम से इसे मनाते हैं। चाहे पर्व के नाम अलग-अलग हों और इनके मनाने के तौर तरीके भी थोड़े अलग-अलग हों। लेकिन अपनी मूल प्रकृति और मूल आस्था में ये सारे पर्व एक ही होते हैं। नई फसल तैयार होने की खुशी में नाचना-गाना, सूर्य के उत्तरायण होने से उसके बढ़ते जीवनदायी ताप के प्रति आभार-सम्मान प्रकट करना और पवित्र नदियों में स्नान करने जैसी तमाम तरह की गतिविधियां, इन सभी पर्वों के मूल विधान में शामिल हैं।

केरल में पोंगल पर्व मनाते स्थानीय निवासी

पर्व मनाने की शुभ तिथि

मकर संक्रांति आमतौर पर अंग्रेजी कैलेंडर के जनवरी माह में 14 या 15 जनवरी को मनाई जाती है। मकर संक्रांति की तिथि से सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है, इसलिए यह मकर संक्रांति कहलाती है। इस दिन से सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं, जिसे शास्त्रों के मुताबिक देवताओं का दिन माना जाता है, जबकि दक्षिणायन को देवताओं की निशा यानी रात्रि माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस दिन किया गया दान, साल के बाकी किसी भी दिन में किए गए दान के मुकाबले कहीं ज्यादा पुण्य लाभ देने वाला होता है। इस साल मकर संक्रांति की तिथि आज रात के बाद यानी 15 जनवरी को ब्रह्म मुहूर्त से पहले 2 बजकर 54 मिनट से आरंभ होगी, जब सूर्यदेव धनु राशि से निकल कर मकर राशि में प्रवेश करेंगे।

महत्वपूर्ण-पुण्यकारी धार्मिक कार्य

मकर संक्रांति के दिन सुबह उठकर सूर्य के निकलने से पहले या निकलते समय पवित्र नदियों में स्नान करना सबसे अच्छा माना जाता है। इसके बाद नए साफ वस्त्र पहनकर तांबे के लोटे में पानी भरकर उसमें काला तिल, गुड़ का छोटा टुकड़ा और अगर गंगा में नहीं नहा रहे तो थोड़ा गंगाजल मिलाकर सूर्यदेव को प्रणाम करते हुए उन्हें अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद गरीबों को दान दिया जाता है, इस दान में तिल और खिचड़ी का होना बहुत शुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक मकर संक्रांति की सुबह घर में स्नान करें तो पानी में तिल और गंगाजल अवश्य मिला लें। किसी पवित्र नदी में स्नान कर रहे हों तो जिस जगह स्नान करें, वहां थोड़े तिल और गंगाजल छिड़क देना चाहिए। इस दिन सूर्यदेव शनि की राशि मकर में प्रवेश करते हैं, इसलिए मकर संक्रांति को शनि देव की पूजा भी करनी चाहिए।

कहीं नृत्य तो कहीं पतंगबाजी

मकर संक्रांति देश के अलग-अलग हिस्सों में खूब मस्ती और उमंग के साथ मनाई जाती है। कहीं पर लोग ढोल की थाप पर

असम में माघ बीहू के अवसर पर सामूहिक नृत्य करतीं महिलाएं

नाचते-गाते हैं। जैसे पंजाब में भागड़ा और गिद्धा लोकनृत्य किया जाता है। इसी तरह असम में लोग बिहू लोकनृत्य में सामूहिक रूप से शामिल होते हैं। गुजरात और उत्तर भारत में इस अवसर पर बड़े पैमाने पर पतंग उत्सव का भी आयोजन किया जाता है।

पर्व का जीवन में महत्व

मकर संक्रांति पर्व का महत्व सिर्फ धार्मिक या पारंपरिक संस्कारों तक ही सीमित नहीं है। इसका सीधा-सीधा रिश्ता बदलते हुए ऋतु चक्रों से भी होता है। जिस कारण बहते हुए पानी में स्नान किए जाने की परंपरा इससे जोड़ी गई है। इसका वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य यह है कि इन तिथियों को बहते हुए पानी में ऊर्जा की अधिकता होती है और उस पानी में स्नान करने से इंसान बहुत तरह की शारीरिक व्याधियों से छुटकारा पा जाता है। साथ ही बदलते हुए मौसम के इस संधिकाल में सूर्य के ताप, पृथ्वी और जल की ऊर्जा का शरीर में इस तरह से प्रभाव पड़ता है कि हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है। इसलिए संक्रांति को सिर्फ धर्म की नहीं प्रकृति की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। *

वर्ष में होती हैं तीन संक्रांतियां

हिंदू पंचांग के अनुसार पूरे वर्ष में एक नहीं तीन संक्रांतियां मनाई जाती हैं- मकर संक्रांति, विषुवत संक्रांति और कार्तिक संक्रांति। सभी में एक जैसी श्रद्धा और एक जैसी धार्मिक भावनाएं होती हैं। विषुवत संक्रांति अप्रैल माह में पड़ती है, इस तिथि पर सूर्य मेष राशि में प्रवेश करते हैं। साथ ही इसी दिन विशाखा नक्षत्र में भी प्रवेश करते हैं, इसलिए इसे वैशाखी भी कहा जाता है। इसी तरह कार्तिक संक्रांति हिंदुओं में बहुत पवित्र मानी जाती है। कार्तिक संक्रांति में सूर्य तुला राशि में प्रवेश करते हैं। आमतौर पर यह अक्टूबर के मध्य में आती है। सभी संक्रांतियों में सूर्योदय से पहले उठकर या उग रहे सूर्य के समय स्नान का विधान होता है। साथ ही इस दिन पवित्र नदियों में भी स्नान करने का महत्व बताया गया है। *

जीवन में सुकून और खुशी तो सभी चाहते हैं लेकिन इन्हें पाने के लिए किस रास्ते पर चलने की जरूरत होती है, इस बारे में कम ही लोगों को पता होता है। वास्तव में सुकून-खुशी हासिल करना कठिन नहीं है, अगर आप सही दिशा में इसे तलाश करें।

सुकून-खुशी पाना कठिन नहीं है, अगर...

{ जीवनशैली / शिखर चंद जैन }

अगर आपको दिल्ली से कोलकाता जाना हो लेकिन आप ट्रेन या फ्लाइट चेन्नई की पकड़ लें तो कोलकाता पहुंचेंगे या चेन्नई? यह सवाल आपको अटपटा लग सकता है लेकिन व्यावहारिक जीवन में देखें तो खुशी और सुकून की तलाश में हम कुछ इसी तरह गलत राह पर चलते हुए अपनी मंजिल से भटक जाते हैं और हमें इसका एहसास ही नहीं होता है।

लिविंग स्टैंडर्ड का गलत पैमाना: बेहतरी, सफलता, समृद्धि और सुकून के वास्तविक स्वरूप को समझने में लोग अकसर चूक जाते हैं। इसमें पूरी तरह गलती आपकी नहीं है। वास्तव में हमारा माहौल, संगत और समाज कई मामलों में हमारा नजरिया तय करते हैं। यही वजह है कि आज स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग हाई होने यानी सफलता और खुशहाली का प्रतीक भौतिक साधनों के बहुलता को माना जा रहा है। आपके जीवन का स्तर कितना ऊंचा है, यह इस बात से तय होता है कि आप का मकान शहर के किस पॉश इलाके में है, कितना बड़ा मकान या फ्लैट है, आपकी कार कितनी महंगी है, आपके यहां कितने नौकर-चाकर काम करते हैं, आपका बैंक बैलेंस कितना बड़ा है, आपका मोबाइल किस ब्रांड का है, आप शहर के किस रेस्तरां में डिनर या लंच के लिए जाते हैं, किस ब्रांड के कपड़े, घड़ी या जूते पहनते हैं? आप छुट्टियां बिताने के लिए विदेश जाते हैं या नहीं? इतना ही नहीं रेव पार्टीज में या महंगे क्लब्स में जाना भी स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग का प्रतीक बन गया है।

अपना नुकसान खुद करते हम: आज के दौर का यह सच बन गया है कि हममें से अधिकांश लोगों के जीवन का ज्यादातर समय इन्हीं को पा लेने की कोशिश में खप जाता है, इन्हीं में सुकून और खुशहाली की तलाश करते हुए अनजाने में ही हम परेशान, बदहाल और तनावग्रस्त रहने लगते हैं। पिछली सदी में बुजुर्ग और अब तो वैज्ञानिक भी कहते हैं कि चिंता, चिता के समान होती है। हम अपनी ही नासमझी से गलत जीवनशैली के कारण उच्च रक्तचाप, मधुमेह, स्ट्रोक, हृदय रोगों और कैंसर जैसे घातक रोगों के शिकार बेहद आसानी से हो जाते हैं। नतीजतन ना मनचाहा खा सकते हैं ना ढंग से सो पाते हैं। कहा गया है कि पहला सुख निरोगी काया। लेकिन जब माया के चक्कर में काया ही रोगी हो गई तो सुख और सुकून भला कैसे मिलेंगे?

गलत मार्ग पर मंजिल की तलाश: हममें से अधिकतर लोग समझ ही नहीं पाते कि आखिर इतने प्रयासों के बावजूद हम सुखी क्यों नहीं हो पा रहे हैं? सीधी सी बात है, जाना था जापान पहुंच गए चीन वाली कहावत हमारे साथ लागू हो गई है। हमारे प्रयास ही गलत दिशा में और गलत चीजों के लिए होते हैं। हमारा लक्ष्य कुछ और होता है और राह हम दूसरी पकड़ लेते हैं। हम अपने जीवन का स्तर ऊंचा करने की बजाय, इसे छोड़कर दूसरी भौतिक, दिखावटी और गैर जरूरी चीजों का स्तर ऊंचा करने में जुट जाते हैं। स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग को ऊंचा करना एक अंतहीन प्रयास है, जिसका कोई उच्चतम मापदंड आज तक कोई निश्चित नहीं कर पाया है। आप चाहे जितना महंगा सामान खरीदेंगे, आपसे भी महंगा किसी और के पास मिल जाएगा। उसे देखते ही आपका अहं, चूर-चूर हो जाएगा और खुशी काफूर हो जाएगी।

आंतरिक सुकून की राह: आपको जीवन का स्तर ऊंचा रखना है, सुकून, सुख और खुशहाली से रहना है तो जरूरतों और चाहतों में अंतर समझना होगा। जीवन का स्तर आंतरिक सुख से ऊंचा होगा, जो संतोष से प्राप्त होता है। कहा भी गया है, संतोषम् परम सुखम्। अध्यात्म, प्राणायाम, योग, ध्यान आदि को अपनाना होगा। परमार्थ की भावना, दयालुता, परोपकार, समाज की सेवा और मनुष्य मात्र के प्रति संवेदनशीलता हमें जीवन के उच्चतम स्तर तक पहुंचा सकती है। झूठ, छल, कपट, धोखाधड़ी, झूठ, ईर्ष्या, लालच, क्रोध जैसे दुखी करने वाले जंजालों से मुक्ति पानी होगी। जैसे किसी तालाब के पानी से काई, तृण, गंदगी और विषाणु निकालकर उसे हल्का, सुपाच्य और स्वस्थ पेय जल बनाया जा सकता है, वैसे ही जीवन से इन अवांछित तत्वों और नकारात्मक भावनाओं को निकाल दें तो जीवन स्वच्छ जल की मानिंद हल्का और सुकून देने वाला बन सकता है। इस प्रकार का जीवन जीने वाला स्वतः ही अपने समाज में चहेता, प्रशंसनीय, स्नेह का पात्र और आदरणीय बन जाता है। लोग उसका सम्मान करते हैं। लोगों से जब ऐसा आदरपूर्ण और स्नेहिल व्यवहार मिलेगा तो आपको अतुलनीय आंतरिक आनंद और सुकून मिल जाएगा। *

{ नवगीत / शिवचरण चौहान }

धूप आई, जान आई

धूप आई
जान आई!
शीत से मारे हुए
फूलों के मुख
मुस्कान आई।
आएगा ऋतुराज पक्का
जानते हैं हम सभी
पर शिशिर, हेमंत तो
सबको रुलाएगा अभी,
सभी के चेहरों में मीठी
धूप है मुस्कान लाई।।
धुंध, कोहरे से महीना
गले तक डूबा हुआ था।
और भारत इस अयाचित
बर्फ से ऊबा हुआ था।
आज चिड़ियों के
स्वरों में एक मधुरिम
तान आई।
धूप निकली है छिटक कर
जान में है जान आई।।

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

कविता में उम्मीद

हाल में युवा कवि अनुराग वत्स का पहला कविता संग्रह 'उम्मीद प्रेम का अन्न है' छपकर आया है। इसमें उनकी कई छोटी कविताओं के साथ ही आत्मकथ्य भी संकलित हैं। इस पुस्तक की कई कविताएं, प्रेमानुभूति से जुड़ी बहुत बारीक संवेदनाओं को व्यक्त करती हैं। *'बात न हो, बात की याद हो/तो वह याद ही भेज दो।'* जैसी पंक्तियां मन के भीतर ठहर सी जाती हैं। प्रेम की अनुभूति से इतर भी कुछ कविताएं, अनुराग की सूक्ष्म संवेदनात्मक दृष्टि को प्रमाणित करती हैं। इस लिहाज से 'पिता:1' कविता को देख सकते हैं, जिसमें पिता शब्द को लिखे बिना ही अनुराग, मार्मिकता से उनकी अनुपस्थिति को महसूस करते हैं। इसी तरह 'हाथ की कांप' में वह दार्शनिक लहजे में जीवन और नियति को परिभाषित करते हैं। कहा जा सकता है कि किसी वाद या वैचारिकता से मुक्त ये भावसंपन्न कविताएं, आने वाले समय में अनुराग से और बेहतर रचनाओं की उम्मीद जगाती हैं। *

पुस्तक: उम्मीद प्रेम का अन्न है (कविता संग्रह), लेखक:अनुराग वत्स, मूल्य: 150 रुपए, प्रकाशक: रुख पब्लिकेशंस, नई दिल्ली

{ कहानी / शीला श्रीवास्तव }

सविता जी को इस बात की चिंता मन ही मन में सताए हुए थी कि बेटे रवि की शादी के बाद उनका प्यार बंट जाएगा। वह पत्नी का साथ पाकर उनसे दूर हो जाएगा। इसलिए वह उसकी शादी टाल रही थीं। मां के आगाध प्रेम पर केंद्रित दिल को छूती कहानी।

अलगाव

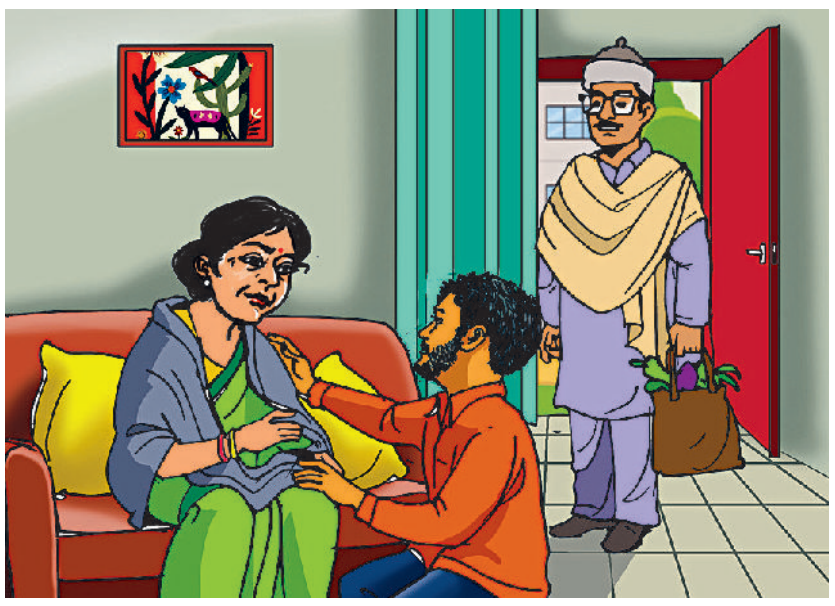

मंदिर से आकर सविता जी धम्म से सोफे पर बैठ गईं। पति जयप्रकाश जी ने धीमे स्वर में पूछा, 'क्या बात है भाग्यवान, मूड क्यों खराब है?'

'पता नहीं, लोगों को क्या पड़ी है, जो बार-बार हमारे बेटे रवि की शादी के बारे में पूछते हैं। अरे, नहीं करनी मुझे रवि की शादी। शादी के बाद वह भी हमसे अलग हो जाएगा।' सविता जी कुढ़ते हुए बोलीं।

'तुम स्वार्थी हो गई हो रवि की मां। अपने स्वार्थ के लिए तुम अपने बेटे को सदा के लिए कुंवारा रखना चाहती हो।' जयप्रकाश जी गंभीर स्वर में बोले।

'आपको जो समझना है, समझिए।' दोनों पति-पत्नी में बहस चल ही रही थी, तभी रवि आ गया। उसके आते ही दोनों ऐसे हंस-हंसकर बातें करने लगे, जैसे उनके बीच कोई हास-परिहास चल रहा हो।

दरअसल, रवि अपनी मां के मन से अनभिज्ञ अपनी एक कुलीग सुजाता से प्यार कर बैठा। एक दिन सकुचाते-सकुचाते उसने अपने दिल की बात अपनी मां से कह ही दी। सविता जी को जैसे झटका-सा लगा। वह जड़वत रह गईं। तभी रवि ने मां को झकझोरते हुए पूछा था, 'क्या सोच रही हो मां?'

'कुछ नहीं बेटा, शादी की अभी इतनी जल्दी क्या है? अभी छब्बीस की ही तो उम्र है तुम्हारी।' सविता जी अपनी भावनाओं को छुपाते हुए बोली थीं।

बस उसी दिन से रवि उदास रहने लगा। सविता जी अपने बेटे के उदासी के कारण को अच्छी तरह जानती थीं, लेकिन वह अपनी शंकाओं से मुक्त भी तो नहीं हो पा रही थीं।

एक दिन वह अपने बेटे रवि के सिर पर हाथ फेरते हुए बोलीं, 'काश! तू हमेशा बच्चा ही रहता तो कितना अच्छा होता, लेकिन अब तू बड़ा हो गया है। तुझे मां की नहीं बल्कि एक जीवन संगिनी की जरूरत है...।' लेकिन सविता जी ने वाक्य अधूरा ही छोड़ दिया। उनकी आवाज बीच में ही भर आई थी, आंखों से मोटे-मोटे आंसू टपक पड़े।

रवि अपनी मां के आंसुओं का मतलब नहीं समझ पाया, इसलिए आश्चर्य और प्रश्न भरी नजरों से मां को निहारने लगा। तभी जयप्रकाश जी ने बात संभाली, 'अरे बेटा, तुम्हारी मां डरती है कि शादी के बाद कहीं तुम्हारा प्यार बंट ना जाए।'

'ओफ्फ हो मां.. तुम भी न, कुछ भी सोचती रहती हो।' रवि हंसते हुए बोला।

रवि के ऑफिस जाने के बाद जयप्रकाश जी ने सविता जी को समझाया, 'देखो रवि की मां, हम मां-बाप को अपना फर्ज निभाना चाहिए। अब आगे चलकर बेटा-बहू हमें पूछें या ना पूछें, यह उनकी मर्जी। अपने स्वार्थ में अंधे होकर हम अपने बच्चों की खुशियों को दांव पर तो नहीं लगा सकते ना।'

जयप्रकाश जी एक पल रुक कर आगे बोले, 'अच्छा बताओ, तुम्हें ज्यादा खुशी किस बात में होगी, जब रवि कुंवारा रहकर दुखी मन से हम लोगों की सेवा करेगा या फिर अपने जीवन साथी के साथ खुशहाल जिंदगी जिएगा?'

'हां, मैं स्वार्थी हो गई थी। मेरे लिए तो मेरे बेटे की खुशी से बढ़कर कुछ और नहीं होना चाहिए। यह सही नहीं है।' सविता जी को अपने पति की बात अच्छे से समझ में आ गई थी।

दूसरे ही दिन सविता जी अपना घुटना लेकर बैठ गईं।

'क्या हुआ मां, घुटने में दर्द हो रहा है क्या?' रवि ने पूछा।

'हां रे, बहुत दर्द हो रहा है। अब मुझसे ज्यादा काम नहीं होता। ऐसा कर तू शादी कर ले।' सविता जी झूठ-मूठ दर्द से कराहती हुई बोलीं।

'क्या मां, कभी तुम कुछ बोलती हो तो कभी कुछ।' रवि सहज स्वर में बोला। जयप्रकाश जी अपनी पत्नी के बहाने को अच्छी तरह समझ रहे थे, इसलिए तपाक से बीच में बोल पड़े, 'अब तुम्हारी मां सठिया गई हैं बेटा। बहू आ जाएगी तो इनको सहारा मिल जाएगा।'

'ऐसी बात है तो मैं कल ही लड़की वालों को घर पर बुलाता हूं।' रवि खुशी से चहकते हुए बोला तो सविता जी की आंखें भर आईं। इस बार उनकी आंखों में स्नेह के आंसू थे।

जयप्रकाश जी ने राहत की सांस ली। *

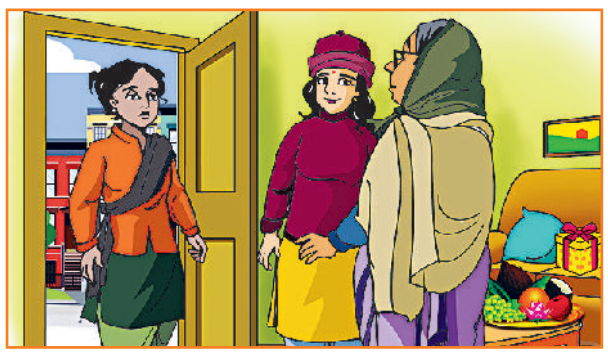

{ लघुकथा / डॉ. मोनिका शर्मा }

त्योहारी शगुन

श्वेता संक्रांति के पर्व पर दिए जाने वाले शगुन को सगे-संबंधियों और आस-पड़ोस की महिलाओं के बजाय मेड सर्वेंट्स को देती रही है। आज त्योहार के दिन सुबह-सुबह शगुन सामग्री बांटने की तैयारी में जुटी श्वेता को सासू मां ने टोका। सुहाग से जुड़ी चीजें अपनी बराबरी वालों को देने की सलाह देतीं, सासू मां के आपत्ति जताने पर उसने सहज भाव से कहा, 'इसमें बराबरी कैसी मां? यूं इस पर्व पर स्नेह स्वरूप भेंट देने की रीत पुण्य कमाने से ज्यादा परवाह के भाव से जुड़ी है। परवाह की सोच प्रेम की डोर से बंधी है। प्रेम का आधार किसी के जीवन को सहज बनाना है। सहजता किसी की आवश्यकताओं और परिस्थितियों को समझकर मदद करने की श्रद्धा से जुड़ी है।' 'अच्छा ठीक है...ठीक है।' कहते हुए सासू मां ने मुस्कुराते हुए हामी भरी। फिर थोड़ी गंभीर होकर बोलीं, 'हां, बात तो सही है। आपस में लेना-देना करने से तो इस रीत के मायने ही बदल गए। यह रिवाज बना तो सौगात स्वरूप एक-दूजे का जीवन सहज बनाने वाले सामान देने को लेकर ही है ना। समय के साथ रीत भी बदलनी ही चाहिए बहू।'

श्वेता की खुशी सासू मां का समर्थन पाकर और बढ़ गई। उसने प्यार भरे अंदाज में सूचित करते हुए कहा, 'मेरा ही नहीं, अबके बरस आपका शगुन भी ठंड के मौसम में हमारा जीवन सहज-सुविधाजनक बनाने वाली मेड सर्वेंट्स को देंगे मां।'

त्योहार के दिन घर के स्नेहमयी परिवेश में इस बात पर लगा दोनों का ठहाका डोर बेल बजते ही रुका। कड़कड़ाती ठंड में श्वेता ने ठिठके हाथों से दरवाजा खोला तो पिछले साल त्योहारी सौगात में दी स्वेटर पहने उनकी घरेलू सहायिका खड़ी थी। उसके भीतर आते ही सास-बहू ने मानवीय अनुभूतियों भरी मुस्कुराहट संग एक-दूजे की ओर देखा और शगुन की सामग्री पर जा टिकी उनकी आंखें संवेदनाओं की नमी से भीग गईं। आसमान तक छाई रंग-बिरंगी त्योहारी रौनक में आज दो पीढ़ियां परवाह के भाव से उपजे सार्थक परिवर्तन की साक्षी बनीं, विचार के बदलाव से आए व्यावहारिक परिणाम को देख रही थीं। *

लेखक ध्यान दें...

लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर भेजें।

जीवन में सफल होने के लिए 'साइंस ऑफ सक्सेस' के बारे में पता होना जरूरी है। वास्तव में यह अपने सपने या लक्ष्य को पाने की दिशा में स्टेप बाई स्टेप की जाने वाली एक प्रक्रिया होती है। साइंस ऑफ सक्सेस क्या है और इसे जीवन में लागू करने के लिए क्या, कैसे कर सकते हैं, जानिए।

क्या आप जानते हैं साइंस ऑफ सक्सेस

{ सेल्फ इंप्रूवमेंट / कीर्तिशेखर }

मशहूर अमेरिकी लेखक नेपोलियन हिल की सबसे ज्यादा बिकने वाली किताब 'थिंक एंड ग्रो रिच' में साइंस ऑफ सक्सेस का जो फॉर्मूला बताया गया है। इसके मुताबिक अगर आप सफल होना चाहते हैं तो अपने लक्ष्य पर ध्यान लगाएं। लगातार ध्यान में बने रहना ही 'साइंस ऑफ सक्सेस' है। इसे सीखने के लिए कुछ टिप्स को फॉलो करना होगा।

बनाएं प्रॉपर वर्क प्लानिंग

यह सच है कि खुद को अपने लक्ष्य के प्रति फोकस्ड बनाए रखना एक बड़ी चुनौती होती है। यह चुनौती तभी सधती है, जब आप इसके लिए एक स्पेशल प्लानिंग बनाएं और उसे अपनाएं। इसके लिए अपने साथ एक ऐसी पॉकेट डायरी रखनी चाहिए, जिसमें आपके लक्ष्य लिखे हों और उन्हें दिन में कई बार निकालकर देखते रहें। अपने ज्यादातर काम आप तब करें, जब ऊर्जा से लबालब हों। और हां, किसी भी काम को करने से पहले ही उस काम का एक शेड्यूल बना लें और उन्हें पार्ट्स में डिवाइड कर लें। साथ ही शोर-शराबे से दूर रहने का इंतजाम करें। जो चीजें या कंडीशंस, बार-बार आपको लक्ष्य से भटकाएं, उनको अपने से दूर रखें, विशेषकर मोबाइल फोन।

मन को हमेशा फोकस्ड रखें

वैसे अपने काम में ध्यान केंद्रित करने के एक नहीं कई तरीके हो सकते हैं। ये तरीके तभी कारगर होते हैं, जब आप अपने मन को केंद्रित करने की कोई कारगर तरीका अपनाएं। दूसरे शब्दों में, अपने काम पर फोकस करने के लिए मन की एकाग्रता जरूरी है। हर दिन के लिए निर्धारित काम अगर आप उसी दिन कर लेते हैं, तो ना सिर्फ काम में लगातार मन लगा रहता है बल्कि यह आपको उत्साहित भी करता है। दिन में काम शुरू करने के पहले मन ही मन एक तात्कालिक लक्ष्य भी निर्धारित करें और उस लक्ष्य को हर हाल में पूरा करने की कोशिश करें। आपका मन बेहतर तरीके से किसी काम में तभी लगता है, जब आप अपने विचारों और भावनाओं को भी अपने लक्ष्य के साथ जोड़ लेते हैं। इससे मन और मस्तिष्क में दो अलग-अलग धाराएं नहीं रहती हैं।

शुभचिंतकों से लें प्रेरणा

दुनिया में जितने भी सफल लोग हुए हैं, उन सबके पास अपना फंडामेंटल साइंस ऑफ सक्सेस होता है। इसका दूसरे शब्दों में मतलब यह होता है कि साइंस ऑफ सक्सेस कोई निश्चित और तकनीकी रूप से एक ही डेफिनिशन नहीं होती, बल्कि आप जिस भी तरह से खुद को बेहतर परफॉर्म करने के लिए रेडी कर सकें, वही साइंस ऑफ सक्सेस का सबसे ठोस तरीका और फॉर्मूला होता है। कुछ लोग अपने लक्ष्य को हासिल करने में तब तक सफल नहीं होते, जब तक उन्हें किसी अन्य से इस मामले में जबरदस्त प्रेरणा ना मिले। अगर आप भी ऐसे लोगों में शामिल हैं तो अपने ऐसे शुभचिंतकों से मिलते रहें, जो आपको लगातार सफल होने के लिए प्रेरित करते रहें।

अपने मूल्य बरकरार रखें

सफल होने का एक प्रमुख सूत्र यह भी है कि आप जहां पर सक्रिय हों, वहां महत्वपूर्ण माने जाएं। यानी आपकी भूमिका

अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण होनी चाहिए। अगर आप अपनी मौजूदगी में महत्वपूर्ण नहीं होते तो आपके लिए किसी भी लक्ष्य को पाना आसान नहीं होता है।

रिस्क लेने से ना डरें

कुछ लोग जीवन में इसलिए भी सफल नहीं हो पाते, क्योंकि असफलता के डर से वे कभी कोई प्रयोग नहीं करते, कोई रिस्क नहीं लेते। जब आप ऐसा करते हैं तो सफल होने की संभावना बहुत कम हो जाती है। कहने का मतलब है, मनचाही सफलता पाने के लिए आपको जोखिम लेना भी सीखना होगा और गलतियां करने का साहस भी करना होगा।

महत्वाकांक्षी लोगों के साथ रहें

अगर आप ऐसे लोगों के साथ रहते हैं, जो आपकी तरह ही महत्वाकांक्षी हों, आपकी तरह ही सफल होने के सपने देखते हों और आपकी तरह ही उनके अपने लक्ष्य हों तो इसका भी फायदा आपको मिलता है। ऐसे लोगों के आस-पास होने से आप लगातार प्रेरित होते रहते हैं और जिस भी क्षेत्र में होते हैं, वहां सफलता पाने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

इस तरह यहां बताई गई बातों को अगर आप अमल में लाते हैं तो आपको सफल होने से कोई रोक नहीं सकता है।*

समुद्र तट पर नमकीन सौंदर्य की छटा रण ऑफ कच्छ

गुजरात राज्य के तटीय जिले कच्छ में स्थित रण ऑफ कच्छ, अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व प्रसिद्ध है। हर वर्ष नवंबर से फरवरी के मध्य यहां आयोजित होने वाले रण उत्सव में देश-विदेश के पर्यटक बड़ी संख्या में आते हैं। रण ऑफ कच्छ और रण उत्सव की खासियतों पर एक नजर।

{ टूरिस्ट स्पॉट / देवेंद्रराज सुथार }

अपने देश के गुजरात राज्य में स्थित कच्छ का रण ना केवल अपने प्राकृतिक वैभव के लिए जाना जाता है, बल्कि स्थानीय कलाकारों द्वारा आयोजित रण उत्सव के लिए भी काफी लोकप्रिय है।

कच्छ के रण की प्राकृतिक स्थितिः कच्छ का रण दिखने में बहुत आकर्षक लगता है। इसके निर्माण की प्रक्रिया प्रकृति स्वयं नियंत्रित करती है। हर वर्ष गर्मियों के बाद मानसून के आगमन के साथ ही कच्छ की खाड़ी का पानी इस रेगिस्तान में आ जाता है, जिससे सफेद रण जुलाई से नवंबर के बीच एक विशाल समुद्र जैसा दिखाई देने लगता है। लगभग 26 हजार वर्ग किमी. क्षेत्रफल में फैला कच्छ का रण सिकंदर के समय में एक नौगम्य झील हुआ करती थी। अब यह दो भागों में बंट गया है। उत्तरी रण यानी ग्रेट रण ऑफ कच्छ और पूर्वी रण यानी लिटिल रण ऑफ कच्छ। यहां का तापमान गर्मियों में 44 से 50 डिग्री तक बढ़ जाता है, जबकि सर्दियों में शून्य से नीचे चला जाता है।

कच्छ के रण का इतिहासः ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार कच्छ पर पहले सिंध के राजपूतों का शासन हुआ करता था, लेकिन बाद में जडेजा राजपूत राजा खेंगरजी के समय भुज को कच्छ की राजधानी बना दिया गया। सन् 1741 में राजा लखपतजी कच्छ के राजा बने। 1815 में अंग्रेजों ने डूंगर पहाड़ी पर कब्जा कर लिया और कच्छ को ब्रिटिश जिला घोषित कर दिया गया। ब्रिटिश शासन काल में ही कच्छ में रंजीत विलास महल, मांडवी का विजय विलास आदि महल भी बनवाए गए।

भारत को मिला कच्छ का रणः आज कच्छ के रण का अधिकांश भाग भारत के गुजरात में है, जबकि कुछ भाग पाकिस्तान में है। अप्रैल 1965 में रण के पश्चिमी छोर पर भारत-पाक सीमा को लेकर लड़ाई छिड़ गई थी। बाद में ब्रिटेन के हस्तक्षेप से यह युद्ध खत्म हुआ। संयुक्त राष्ट्र के तत्कालीन महासचिव द्वारा सुरक्षा परिषद को भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर इस विवादित मामले को ट्रिब्यूनल को भेजा गया। ट्रिब्यूनल ने 1968 में फैसला सुनाया कि रण का 10 प्रतिशत हिस्सा पाकिस्तान के पास और 90 प्रतिशत हिस्सा भारत के पास रहेगा। इस तरह एक साल बाद 1969 में कच्छ के रण का विभाजन हो गया।

आकर्षक होता है रण उत्सवः हर साल 8 से 10 लाख पर्यटक नवंबर से फरवरी तक आयोजित होने वाले कच्छ रण उत्सव को देखने, चांदनी रात के खुले आसमान में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेने, के लिए यहां आते हैं। यहां पर्यटकों को कई तरह की कलाओं और उनमें दक्ष लोगों से रूबरू होने का मौका मिलता है। रण उत्सव के दौरान कई कलाकार अपनी कला के जरिए रेत पर भारत के इतिहास की झलक दिखाते हैं। पिछले कई वर्षों में रण उत्सव के दौरान कलाकारों ने रामायण से लेकर स्वामी विवेकानंद की कच्छ यात्रा तक के पात्रों को अपनी कला में प्रदर्शित किया है। यहां आकर स्थानीय लोगों की जीवनशैली और हस्तशिल्प कला से भी रूबरू हो सकते हैं। रण उत्सव के दौरान भुज से पांच किमी. दूर रण मैदान के मध्य धोरडो गांव के पास एक पर्यटक शिविर लगाया जाता है, जहां देशी-विदेशी पर्यटकों को सभी सुविधाओं के साथ ठहराया जाता है। यहां आप डेजर्ट पेट्रोलिंग व्हीकल पर रेगिस्तान में सवारी का आनंद भी ले सकते हैं। इतना ही नहीं, इस रेगिस्तान में आपको लोमड़ी और राजहंस की दुर्लभ प्रजातियां भी देखने को मिलेंगी। भुज के पास भुजोड़ी नाम का एक गांव है, जहां वानकर समुदाय के लगभग 1,200 कारीगर रहते हैं। ये लोग यहां कपड़ा और हस्तशिल्प इकाइयों में काम करते हैं। यहां बुनकरों, ब्लॉक प्रिंटर और टाई-डाई कलाकारों से मिलने और उनके शिल्प के बारे में जानने का मौका मिलता है।

ऐसे पहुंचें कच्छ के रणः भुज, कच्छ के रण के बहुत करीब है। सभी प्रमुख शहरों के हवाई अड्डों और रेलवे स्टेशनों से यहां आया जा सकता है। भुज से रण की दूरी सिर्फ 80 किमी है। आप चाहें तो भुज से गुजरात टूरिज्म बस की सुविधा भी ले सकते हैं, जो आपको सीधे कच्छ के रण तक ले जाएगी। अगर आप फ्लाइट से आना चाहते हैं, तो बेंगलुरु, दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, तिरुवनंतपुरम और गोवा से सीधी फ्लाइट भुज एयरपोर्ट के लिए चलती हैं। अगर आप ट्रेन से कच्छ जाना चाहते हैं, तो भुज एक्सप्रेस और हजरत एक्सप्रेस दिल्ली से चलती हैं। अगर आप सड़क मार्ग से आना चाहते हैं, तो दिल्ली, मुंबई, पुणे और जोधपुर से कच्छ के रण तक पहुंच सकते हैं।*

कई तरह से फायदेमंद बादाम का पेड़

{ जानकारी / वीना गौतम }

बादाम एक मेवा है, मेवा यानी सूखा फल। बादाम को अंग्रेजी में ऑल्मंड, संस्कृत में वाताद या वातवैरी, हिंदी, मराठी, गुजराती और बांग्ला में बादाम और फारसी में बदाम शोरी कहते हैं। बादाम का पेड़ 4 से 12 मीटर तक ऊंचा होता है। बादाम के पेड़ में गुलाबी, सफेद फूल लगते हैं, फिर इन्हीं में फल बनता है।

अमेरिका में सर्वाधिक उत्पादनः जहां तक बादाम उत्पादन की बात है, तो अमेरिका इसमें पहले स्थान पर है। दुनिया में बादाम की कुल आपूर्ति का 80 प्रतिशत अमेरिका के कैलीफोर्निया से होती है।

भारत में बादाम की खेतीः भारत में बादाम उत्पादन सबसे ज्यादा जम्मू-कश्मीर में होता है। भारत में पैदा होने वाले कुल बादाम का 85 फीसदी हिस्सा जम्मू-कश्मीर से ही आता है। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा, शोपियां, कुलगाम, गांदरबल और बारामूला जिले बादाम के प्रमुख उत्पादक हैं। भारत में शेष पैदा होने वाले बादाम में से करीब 8 फीसदी हिमाचल प्रदेश, लद्दाख में होता है।

बढ़ रही बादाम की मांगः आयुर्वेद में बादाम को बुद्धि और नसों के लिए गुणकारी बताया गया है। जैसे-जैसे दुनिया भर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजगता आ रही है, बादाम की मांग बढ़ती जा रही है।

कमाई का बेहतरीन विकल्पः अमूमन बादाम 600 रुपए प्रति किलो से कम का नहीं मिलता और अच्छी क्वालिटी वाले बादाम की कीमत 1,000 रुपए प्रति किलो होती है। इसीलिए किसानों के लिए बादाम की खेती ज्यादा फायदेमंद होती है, इसलिए देश के कई हिस्सों में बादाम के पेड़ लगाने के प्रति किसान अधिक आकर्षित हो रहे हैं। एक बार बादाम का पेड़ तैयार हो जाए तो यह 50 साल तक फल देता है।*

विशेषः मकर संक्रांति

{ सिने-जगत / अशोक जोशी }

मकर संक्रांति के अवसर पर खूब उत्साह-उमंग से पतंग उड़ाई जाती है। हिंदी फिल्मों में इस पर्व को तो नहीं, लेकिन पतंग के टाइटल वाली फिल्में और उस पर आधारित गीत खूब बनते रहे हैं। पतंग टाइटल वाली कुछ चर्चित फिल्मों और गीतों पर एक नजर।

सिनेमा-पर्दे पर भी खूब उड़ी हैं पतंगें

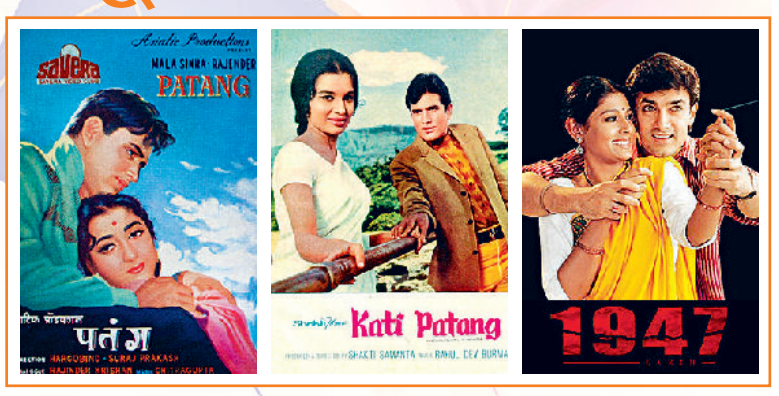

मकर संक्रांति का त्योहार पूरे देश में मनाया जाता है। विशेष रूप से उत्तर भारत में बड़े ही धूमधाम से इसे लोग मनाते हैं। इस दिन दान-स्नान के साथ ही पतंग उड़ाने की परंपरा भी है। इसी वजह से मकर संक्रांति को पतंग पर्व के रूप में भी जाना जाता है। पतंगबाजी ने ना केवल समाज में लोकप्रियता बटोरी बल्कि सिनेमा के पर्दे पर भी पतंगें खूब उड़ी हैं। फिल्मों के पतंग के टाइटल से लेकर इस पर आधारित गाने लोगों के दिलों में बसे हैं। आज भी मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग से जुड़े गीतों को बजाया-गुनगुनाया जाता है।

पतंग टाइटल वाली फिल्में

1960 में 'पतंग' नाम से एक फिल्म आई थी। इस फिल्म में राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा, राज मेहरा, मनोरमा और अचला सचदेव ने काम किया था। फिल्म का नाम 'पतंग' क्यों रखा यह तो निर्माता ही जाने, लेकिन इस फिल्म में पतंग पर आधारित एक गीत 'यह दुनिया पतंग नित बदले हैं रंग' था। जिसे एक बार सुखद और दूसरी बार दुखद भाव में फिल्माया गया था। इसके बाद फिल्मों में पतंग पर आधारित गीत और प्रसंग तो आते रहे लेकिन शीर्षक से पतंग नदारद हो गई। 11 साल बाद फिल्म 'कटी पतंग' ने इस सूनेपन को समाप्त किया। फिल्म की नायिका की स्थिति को चित्रित करने वाले शीर्षक की यह फिल्म, राजेश खन्ना और आशा पारेख के अभिनय और आरडी बर्मन के मधुर संगीत की वजह से खूब चली। इस फिल्म में एक गीत 'ना कोई उमंग है...' के दौरान उड़ती पतंग इस फिल्म में पर्दे पर दिखाई भी दी।

रील-रियल लाइफ में पतंगबाज एक्टर

ऐसा कहा जाता है कि बॉलीवुड में दिलीप कुमार ऐसे अभिनेता थे, जिनको पतंग उड़ाने में महारत हासिल थी। जब वह अपने घर की छत पर पतंग

फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान खान

उड़ाते थे तो बॉलीवुड के कई नामी निर्माता उनके पतंग के साथ डोर की चरखियां थामने को बेकरार रहते थे। इसी तरह सलमान खान ने भी ना केवल वास्तविक जीवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी(जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे) के साथ पतंग उड़ाई है, बल्कि फिल्म 'सुल्तान' में पतंग लूटने के दृश्य में भी वे नजर आए हैं। उन्होंने फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में ऐश्वर्या राय के साथ प्यार की पतंग खूब उड़ाई थी।

पतंग पर आधारित गीत

जहां तक गानों की बात है तो हिंदी फिल्मों में पतंगों पर भी कई गाने बने और हिट हुए हैं। पतंग पर आधारित गीतों का सिलसिला 1949 में प्रदर्शित फिल्म 'दिल्लगी' से शुरू हुआ। फिल्म का गीत 'मेरी प्यारी पतंग चली बादलों के संग' तब बहुत लोकप्रिय हुआ था। इसके बोल ऐसे दिल में उतरने वाले थे कि उस दौर में पतंग उड़ाते समय लगभग हर युवा यही गीत गुनगुनाते दिखाई पड़ता था। ऐसा ही एक गीत 'चली चली रे पतंग मेरी चली रे' सन् 1957 की फिल्म 'भाभी' में जगदीप और नंदा पर फिल्माया गया था। फिल्म में पतंग उत्सव को प्रदर्शित करता यह गीत आज भी मकर संक्रांति पर टीवी चैनल और रेडियो पर सुनाई दे जाता है।

नए दौर में फिल्म 'रईस' का सुखविंदर और भूमि त्रिवेदी का गाया गीत 'उड़ी-उड़ी जाए' पतंग महोत्सव का मजा देते हुए झूमने पर मजबूर कर देता है। फिल्म 'काई पो छे!' का 'मांझा' गीत में जिंदगी के एक नए नजरिए को दिखाने की कोशिश की गई। इसके जरिए जिंदगी, रिश्ते और जज्बे की दास्तां बयां की गई।

फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' का 'ढील दे दे रे भइया' गीत पतंग उड़ाने के दौरान अकसर लोगों के मुंह से निकल ही जाता है। यह गाना काफी लोकप्रिय भी हुआ था। फिल्म 'अर्थ' के गीत 'रुत आ गई रे' में आमिर खान फिल्म की नायिका को पतंग उड़ाना सिखाते दिखते हैं। यह एक रोमांटिक गीत है, जिसे एआर रहमान ने अपनी आवाज दी है। फिल्म 'फुकरे' के गीत

फिल्म 'फुकरे' के गीत 'अंबरसरिया..' का एक सीन

'अंबरसरिया' में भले ही पतंग शब्द का जिक्र ना हुआ हो लेकिन इसमें पतंगबाजी के दौरान होने वाली अठखेलियों को बड़े ही मजेदार ढंग से दर्शाया गया है। पतंग पर अपनी प्रेमिका को प्यार भरा मैसेज लिखकर भेजना दर्शकों को उस दौर में ले जाता है, जब छतों पर पतंगों के जरिए प्यार हुआ करता था।

जिन फिल्मों में पतंग शीर्षक या पतंग पर आधारित गीत नहीं होते हैं उन फिल्मों में पतंगबाजी के दृश्यों ने दर्शकों को लुभाया है। उनमें से एक फिल्म 'दिल्ली 6' है, जिसमें पतंग के जानदार दृश्य देखने को मिले।*

{ सोशल इश्यू / दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश' }

यह बेहद चिंताजनक बात है कि बाजार की चमक-दमक के जाल में हमारे नौनिहाल फंसते जा रहे हैं। ऐसे में पैरेंट्स ही नहीं सारे समाज को सजग रहने की जरूरत है।

बहुत चिंताजनक है बचपन का बाजारीकरण

अगर यह कहा जाए कि वैश्वीकरण के मौजूदा दौर में सारा देश-समाज बाजार में तब्दील होने लगा है तो गलत नहीं होगा। चिंताजनक बात यह है कि इस बदलाव ने बचपन का भी बाजारीकरण करना शुरू कर दिया है। इसी का परिणाम है कि बच्चों के लिए उपयोगी वस्तुओं के साथ फ्रिज, वाशिंग मशीन, बाइक, कार, फर्नीचर जैसी महंगी खरीददारी में भी बच्चे बाजार के अनुकूल अपनी सहमति देने लगे हैं। मजे की बात यह कि अधिकांश मां-बाप को शायद ही इसका रंच मात्र आभास हो कि उनके बच्चों को करोड़ों की खरीद-फरोख्त के बाजारू जाल में फंसाया जा चुका है।

विज्ञापनों की बड़ी भूमिकाः सर्वेक्षण रिपोर्टों के अनुसार, बच्चों को बाजार के चंगुल में फंसाने में टेलीविजन और विभिन्न माध्यमों के विज्ञापनों का बड़ा हाथ है। सूचना माध्यमों का विज्ञापन एक तरीका है, जो हमारी आवश्यकताओं के अनुसार विकल्प प्रस्तुत करते हैं, जिसमें से हम अपनी जरूरत के अनुसार वस्तुओं का चयन कर सकते हैं। लेकिन बच्चों में विवेक कम होता है। आठ-दस साल का बच्चा यह नहीं जान सकता कि टीवी पर जगमगाते विज्ञापन वास्तविकता से कोसों दूर सिर्फ वस्तु के प्रचार होते हैं।

मीडिया की सुनियोजित प्लानिंगः बाजार की ताकतें जीवन की बदलती प्राथमिकताओं और स्थितियों के बीच अपना वर्चस्व स्थापित करना जानती हैं। माता-पिता अपनी भाग-दौड़ भरी जिंदगी के कारण बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाते हैं। परिणामतः बच्चे अकेलेपन का शिकार हो रहे हैं। वह अपना अकेलापन बांटने के लिए निरंतर टीवी चैनलों या सोशल मीडिया के संपर्क में रहते हैं। मार्केटिंग तंत्र इसका पूरा फायदा उठाने में लगा रहता है। यह टीवी पर प्रसारित होने वाले उन्हीं सीरियलों को विशेष रूप से स्पांसर करता है, जिसमें पारंपरिक मूल्यों से मुक्त चमक-दमक भरी पाश्चात्य शैली की जिंदगी दिखाई गई होती है, जबकि औसत हिंदुस्तानी बच्चे का पारिवारिक परिवेश इससे एकदम अलग किस्म का होता है। लेकिन मासूम बच्चे यह अंतर नहीं समझ पाते हैं। वह टीवी वाली जिंदगी को सत्य मानकर उसे अपने जीवन में उतारना चाहता है।

इसके अलावा बच्चों का ध्यान खींचने के लिए तीन चौथाई विज्ञापनों में बच्चों से ही एक्टिंग करवाई जाती है। विज्ञापन का बच्चा, बाल दर्शकों को खूब आकर्षित करता है। वे विज्ञापन वाले बच्चे जैसा स्वयं भी दिखना चाहते हैं। इसलिए उन्हें वैसा ही स्कूल बैग, जूता, कैप, खिलौने, शर्ट वगैरह तो चाहिए ही, घरेलू समान भी विज्ञापन वाले बच्चे के मम्मी-पापा जैसा ही चाहते हैं। वास्तव में बच्चे जो देखते हैं, वही सीखते हैं।

नमिता उन्नीकृष्णन और शैलजा वाजपेयी द्वारा किए गए 'द इंपैक्ट ऑफ टीवी एडवरटाइजिंग ऑन चिल्ड्रेन' शीर्षक के अध्ययन के अनुसार, आठ से पंद्रह साल के पचहत्तर प्रतिशत बच्चे टेलीविजन विज्ञापनों में प्रदर्शित उत्पादों को हासिल करना चाहते हैं।

हम सभी बनें सजगः आधुनिक भारतीय समाज अपने अंदर विरोधाभास को समेटे हुए जी रहा है। एक तरफ संपन्नता और विलासिता में डूबे कुछेक लाख लोग और उनका पिछलग्गू बड़ा मध्यवर्ग है। दूसरी तरफ एक बहुत बड़ी आबादी जीवन की मूलभूत सुविधाओं से वंचित घुट रही है। लेकिन इस संवर्ग के बच्चे और किशोर विज्ञापनों के प्रभाव में, अपने ही आयुवर्ग के संपन्न परिवार के संतानों जैसा जीवन जीने की ललक रखने लगते हैं। इस प्रवृत्ति को दूर करने के लिए केवल चिंता जताने से कुछ नहीं होगा, सभी पैरेंट्स, समाज और नीति निर्धारकों को इस दिशा में कारगर कदम भी उठाने होंगे।*